सोशल मीडिया से जुड़ें
NewsTransportVishesh
Digital Edition
वर्ष 1, अंक 105, नई दिल्ली, शनिवार, 11 फरवरी 2023, पेज 8

न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

NEWS NTV TRANSPORT VISHESH
www.newstransportvishesh.com
सबसे तेज, सबसे पहले
आपको पहुंचाये
परिवहन क्षेत्र की सभी जानकारियां
09212122095
09811732095

03 बड़ी संख्या में राजधानी की स्ट्रीट लाइटें खराब, LG ने लगाई फटकार
05 होंडा के इस कार पर कर सकते भरोसा, सेफ्टी टेस्ट में मिले 5-स्टार
08 दोबारा चुनाव लड़ रहे 43 में से 41 विधायकों की संपत्ति बढ़ी

आज का सुविचार

"मन पर नियंत्रण रखना सीखे, क्युकि अनियंत्रित मन ही आपके और आपकी सफलता के बिच का काँटा है।"

इनसाइड

रेल मंत्री बोले- PM ने दिया रूफटॉप प्लाजा का सुझाव, उनके विजन से तैयार हो रहा रेलवे के 50 साल का ढांचा

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि पीएम मोदी के नवोन्मेषी विचार और सुझाव रेलवे के बुनियादी ढांचे को आने वाले 50 वर्ष की जरूरतों के हिसाब से तैयार करने में मदद कर रहे हैं। देश के परिवहन ढांचे को उन्नत, आधुनिक और भविष्य की जरूरतों के मुताबिक तैयार करना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबसे महत्वाकांक्षी लक्ष्यों में से एक है। खासतौर पर रेलवे को प्रधानमंत्री देश की जीवन रेखा मानते हैं। रेलवे से जुड़े कई बड़े सुधार अब तक हो चुके हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि पीएम मोदी के नवोन्मेषी विचार और सुझाव रेलवे के बुनियादी ढांचे को आने वाले 50 वर्ष की जरूरतों के हिसाब से तैयार करने में मदद कर रहे हैं। वैष्णव ने ट्वीट में बताया कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें 50 रेलवे स्टेशनों को उन्नत, आधुनिक और भविष्य की जरूरतों के लिहाज से तैयार करने का लक्ष्य दिया, तो कुछ दिन बाद उन्होंने स्टेशनों के आधुनिकीकरण और उन्नयन को लेकर करीब दो घंटे का प्रजेंटेशन पीएम मोदी को दिया, लेकिन वह इससे संतुष्ट नहीं हुए।

सरकार ने दी जानकारी, NCR में प्रदूषण फैलाने वाले कितने पुराने वाहनों का रजिस्ट्रेशन हुआ रद्द

संजय बाटला

दिल्ली एनसीआर सहित देशभर के कई बड़े शहरों में प्रदूषण की समस्या काफी गंभीर हो रही है। लगातार बढ़ते वाहनों से ज्यादा पुराने वाहन प्रदूषण फैला रहे हैं। इन्हें हटाने की कोशिश सरकार की ओर से जारी हैं। हम इस खबर में आपको बता रहे हैं कि अब तक दिल्ली एनसीआर से कितने ऐसे वाहनों को हटाया गया है जो अपनी उम्र पूरी कर चुके हैं।

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की ओर से संसद में जानकारी दी गई है कि दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में अब तक कितने पुराने वाहनों का रजिस्ट्रेशन रद्द किया गया है। सरकार की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक अब तक 54 लाख से ज्यादा ऐसे वाहनों का रजिस्ट्रेशन रद्द किया जा चुका है।

एक सांसद के सवाल के जवाब में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि माननीय एनजीटी और भारत के सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के परिणाम के तौर पर जीएनसीटीडी ने 31 जनवरी 2023 तक 54,42,267 वाहनों का पंजीकरण रद्द किया है। इनमें 10 साल पुराने डीजल वाहन और 15 साल से ज्यादा पुराने पेट्रोल और सीएनजी वाहन शामिल हैं।

केंद्रीय मंत्री की ओर से आगे जवाब में बताया गया कि दिल्ली सरकार की प्रवर्तन शाखा नियमित तौर पर 10 साल से ज्यादा पुराने डीजल और 15 साल से ज्यादा पुराने पेट्रोल और सीएनजी वाहनों की जांच करती है। जिन वाहनों को जांच के दौरान सही नहीं पाया जाता है, उन्हें स्क्रैपर्स को सौंप दिया जाता है।

अब तक कितने वाहन हुए जब्त

नितिन गडकरी ने बताया कि एक जनवरी 2014 से 31 जनवरी 2023 तक 10 साल पुराने 446 डीजल वाहनों और 15 साल से ज्यादा पुराने पेट्रोल और सीएनजी के 12959 वाहनों को जब्त किया गया है। इन्हें जब्त करने के बाद स्क्रैपर्स को दिया जाता है।

वाहनों से होता है प्रदूषण

दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण की समस्या लगातार बढ़ रही है। सबसे ज्यादा पुराने वाहनों के कारण प्रदूषण बढ़ रहा है। पुराने होने के कारण इनकी तकनीक भी पुरानी होती है। वहीं नए वाहनों में लगातार सुधार किया जा रहा है जिससे पुराने के मुकाबले नए वाहनों से काफी कम प्रदूषण होता है। प्रदूषण कम करने के लिए सरकार एक अप्रैल 2023 से बीएस-6 के दूसरे चरण को लागू करने जा रही है।

सरकार का पूरा ध्यान पेट्रोल और डीजल से चलने वाले वाहनों की संख्या कम करने पर है। सरकार इलेक्ट्रिक, हाईब्रिड और फ्लेक्स फ्यूल जैसी तकनीक के वाहनों को लगातार बढ़ावा दे रही है। बाजार में कई कंपनियों की ओर से इलेक्ट्रिक वाहनों को ऑफर किया जा रहा है। वहीं ऑटो एक्सपो के दौरान फ्लेक्स फ्यूल और हाईब्रिड वाहनों को भी शोकेस किया गया था।

KGP-KMP जाने वालों के लिए राहतः बल्लभगढ़ एलिवेटेड फ्लाईओवर का डिजाइन मंजूर, जल्द शुरू होगा निर्माण

एनटीवी संवाददाता

नई दिल्ली। बल्लभगढ़ के तीन किलोमीटर लंबे एलिवेटेड फ्लाईओवर की डिजाइन को परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने मंजूरी दे दी है। जिसके कारण केजीपी और केएमपी एक्सप्रेसवे पर आने-जाने वाले हजारों वाहनों को राहत मिलेगी और समय की बचत होगी।

बल्लभगढ़ के रास्ते केजीपी-केएमपी जाने वाले हजारों लोगों के लिए राहत खबर है। परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने गुरुवार को तीन किलोमीटर लंबे एलिवेटेड फ्लाईओवर की डिजाइन को मंजूरी दे दी है। इस योजना पर करीब 265 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। मार्च में मुख्यमंत्री मनोहरलाल निर्माण कार्य का शुभारंभ कर सकते हैं। बल्लभगढ़ स्थित आंबेडकर चौक से मोहना गांव की ओर जाने वाली सड़क पर चंदावली गांव तक दोनों तरफ हजारों दुकान-मकान बने हुए हैं। इसके साथ ही मुख्य बाजार है। इस सड़क से रोजाना हजारों लोग सफर करते हैं।

लोगों को आने जाने में होती है परेशानी

संकरी सड़क होने के कारण लोगों को भारी जाम से जूझना पड़ता है। लोगों का मिनटों का सफर घंटों में तय होता है। इस समस्या से लोग सालों से जूझ रहे हैं। कुंडली-गाजियाबाद-पलवल (केजीपी) एक्सप्रेसवे पर आने-जाने वाले हजारों की संख्या में भारी वाहन भी इसकी सड़क से गुजर रहे हैं। इस वजह से यहां हर समय जाम लगा रहता है। दुकानों के आगे सामान और ग्राहकों के वाहन भी जाम को बढ़ावा देते हैं। इसी सड़क पर चंदावली, मच्छगर, दयालपुर, मोहना, छांयसा, अटाली सहित करीब दो दर्जन गांव बसे हैं। फरीदाबाद, गुरुग्राम सहित अन्य इलाकों में हजारों उद्योग हैं। इन उद्योगों का सामान लाने और ले जाने वाले भारी वाहन इसी सड़क से होकर केजीपी तक आते-जाते हैं।

एलिवेटेट फ्लाईओवर बनने से 10 मिनट में सिमटेगा सफर

रोज लगने वाले जाम से निजात दिलाने के लिए कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने इस सड़क पर एलिवेटेड फ्लाईओवर बनाए जाना प्रस्तावित रखा था। ग्रामीण क्षेत्र, सेक्टर और केजीपी-केएमपी सहित बाईपास पर जाने वाले वाहन फ्लाईओवर से गुजर सकें। आईएमटी के लिए भी इस रास्ते से जाना आसान हो जाएगा। अभी बाईपास रोड या केजीपी जाने में वाहन चालकों को करीब आधे घंटे का समय लगता है। एलिवेटेड फ्लाईओवर बनने से यह सफर 10 मिनट में सिमिट जाएगा। फ्लाईओवर बनने से चंदावली, सोतई, मच्छगर, बुखारपुर, दयालपुर, पन्हैड़ा, पन्हैड़ा खुर्द, जुन्हैड़ा, अटाली, गढखेड़ा, मौजपुर, छायंसा, मोहना, मोठूका, हीरापुर, नरियाला, नरहावली आदि गांवों की बाईपास रोड से कनेक्टिविटी बेहतर हो जाएगी।

70 गांवों के लोगों को होगा फायदा

बल्लभगढ़ स्थित मोहना मार्ग पर ऊंचा गांव चुंगी, मिल्क प्लांट मार्ग, महिला आइटीआइ, भगत सिंह कालोनी, यादव डेयरी, पंजाबी धर्मशाला, मलेरना मार्ग, बाजार के अंदर जाने के लिए गुप्ता होटल, विजय बैंक, अहीर हवेली के सामने, जैन मार्केट, जगदीश कॉलोनी, आकाश सिनेमा के सामने, मुकेश कालोनी, गोपाल मंदिर का कट होने के कारण पूरे दिन ट्रैफिक जाम लगा रहता है।

इस मार्ग से करीब 70 गांवों के लोगों का आवागमन होता है। किसान ट्रैक्टर ट्राली में फसल लेकर आते हैं। स्कूलों की बसों का आवागमन, कुंडली-गाजियाबाद-पलवल एक्सप्रेस-वे मार्ग के लिए आवागमन इसी मार्ग से होता है। मोहना मार्ग पर गुप्ता होटल से लेकर जगदीश कालोनी कट तक एक तरफ दुकानदार अपनी कारों को खड़ा करके अतिक्रमण करके रखते हैं। इससे भी जाम लगता है।

परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा के अनुसार

मोहना मार्ग को ऐलिवेटेड बनाने की योजना को मंजूरी प्रदान की गई है। इसके बनने से केजेपी और केएमपी जाने वाले वाहन चालकों को काफी राहत मिलेगी।

ट्रांसपोर्ट इंडस्ट्री को मिलेगी नई उंचाई लिथियम का जम्मू-कश्मीर में मिला बड़ा खजाना

एसडी सेठी

एनटीवी, नईदिल्ली। जम्मू-कश्मीर भारत का सिरमौर है। यह बात अलग है कि आतंकी इसके सीने को छलनी करते रहे है।लेकिन हमारी सुरक्षाबलों ने आर्तकियों के मंसूबों को हमेशा के लिए नाकाम किया है। इन सबके बीच यहां से ऐसा खजाना मिला है जो ना सिर्फ यहां की तकदीर बदल देगा बल्कि भारत को दुनियां की शीर्ष अर्थव्यवस्था में भी पहुंचाने में मदद करेगा। केंद्र सरकार के मुताबिक जम्मू-कश्मीर में 5.9 लाख टन लिथियम का रिजर्व मिला है। जो ट्रांसपोर्ट इंडस्ट्री को नई -नई उंचाई पर पहुंचा देगा।

उल्लेखनीय है कि लिथियम नॉन मेटल है और इसका इस्तेमाल इलैक्ट्रानिक गाडियों की बैट्री में इस्तेमाल किया जाता है। यह खजाना (जम्मू-कश्मीर के सलाल-हिमाना में रिजर्व है। जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के मुताबिक जम्मू-कश्मीर के हलाल-हिमाना इलाके में यह रिजर्व पाया गया है। देश में कुल 51ब्लॉक मिले हैं। इनमें से 5 ब्लॉक में लिथियम, गोल्ड, पोटाश, मॉलिब्डेनम से जुडे हुए हैं। 2018-19 से लेकर आज की तारीख में इन ब्लॉक्स को खोजा गया है। इसके अलावा 17 ब्लॉक कोयले के रिजर्व से जुडे हैं। लिथियम के अनेकों फायदे हैं, लेकिन इनका बडे पैमाने पर उपयोग रिचार्ज करने योग्य बैटरियों में किया जाता है। इसके अलावा लिथियम के मेडिकली फायदे भी है। इनमें उन्माद की गम्भीरता और आवर्ती को कम करने में मदद कर सकता है।मूड स्विंग, बा इवोल्यूशन,अवसाद का इलाज करने में मदद करता है। वहीं आत्महत्या जैसी भावना को अधिक सोचने वालों को तो लिथियम इन भावनाओ को कम करने में रामबांण है। इसके अलावा लिथियम गर्मी प्रतिरौधी ग्लास,और चीनी मिट्टी की चीजें,लिथियम ग्रीस स्नेहक, लोहा,स्टील,और एल्मीनियम उत्पादन के लिए फ्लेक्स, एडिटिव्स, लिथियम धातु बैट्री और लिथियम-आयन बैटरी शामिल है।

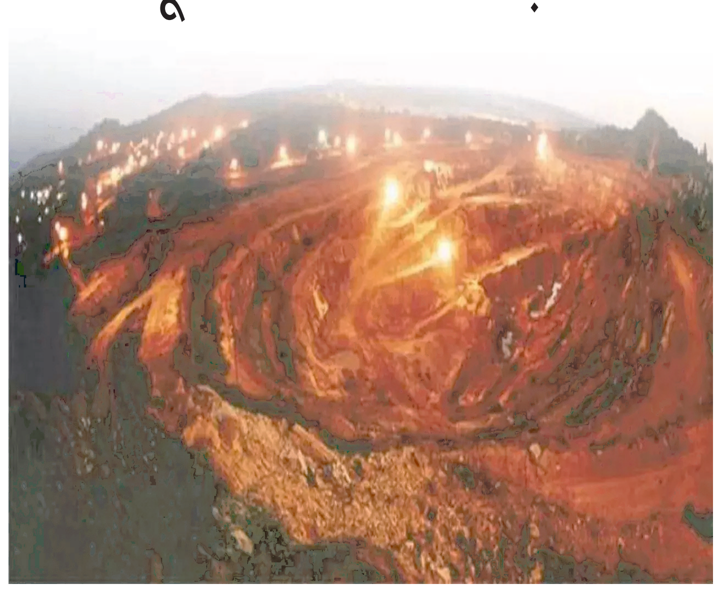

ग्रीन और ट्रिप कार्ड से सीधे यात्रा पर जा सकेंगे वाहन

देहरादून। तीर्थयात्रियों को लेकर चारधाम यात्रा पर जाने वाले वाहनों की बीच रास्ते में रोककर जांच नही की जाएगी। वाहन चालकों को ग्रीन कार्ड और ट्रिप कार्ड जारी होने के साथ ही वाहन के शीशे पर स्टीकर लगाए जाएंगे। इससे यात्रा वाहनों की पहचान करना आसान होगा। इसके लिए देहरादून के अलावा हरिद्वार, ऋषिकेश, विकासनगर, हरिद्वार और रुड़की में काउंटर खोलने के साथ ही तमाम व्यवस्था दुरुस्त की जा रही हैं। चारधाम यात्रा के नोडल अधिकारी व परिवहन विभाग के आरटीओ (प्रशासन) सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि ऋषिकेश, हरिद्वार में ग्रीन कार्ड बनाने के साथ तमाम कागजी औपचारिकता पूरी करने के बाद वाहन संचालक तीर्थयात्रियों को लेकर सीधे यात्रा पर जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा पर जाने वाले वाहनों को जगह-जगह जांच के नाम पर रोके जाने से न सिर्फ तीर्थ यात्रियों को दिक्कतें होती हैं, बल्कि समय भी खराब होता है। वाहनों के समय पर हरिद्वार, ऋषिकेश नहीं लौटने पर इन दोनों जगहों पर तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ जमा हो जाती है। जिसके चलते तमाम मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। इन्हीं समस्याओं को देखते हुए उक्त व्यवस्था की गई है। आरटीओ शर्मा ने बताया कि पिछले दिनों मंडलायुक्त की अध्यक्षता में चारधाम यात्रा तैयारियों को लेकर हुई बैठक में यह भी मुद्दा उठाया गया है कि यदि कहीं पर भी किसी कारणवश जाम लगने की स्थिति बनती है और ज्यादा समय लगता है। ऐसे में तीर्थयात्रियों से भरी बसों को प्राथमिकता के आधार पर पहले रवाना किया जाए।

प्रत्येक ट्रिप के लिए जारी होंगे अलग-अलग रंग के स्टीकर

आरटीओ (प्रशासन) शर्मा ने बताया कि चारधाम यात्रा पर जाने वाली बसों के लिए हर यात्रा के लिए अलग रंग के स्टीकर जारी किए जाएंगे। इन्हीं के जरिये इस बात की जानकारी मिलेगी कि संबंधित बस कितनी बार चारधाम यात्रा पर जा चुकी है। यदि किसी भी चालक ने वाहन के स्टीकर को निकालने के साथ ही गड़बड़झाला करने की कोशिश की तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

मार्च के अंत तक ट्रांसफार्मर लगाने का काम पूरा करने का दावा किया है।

शिमलाः शहर में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन खोलने में फंसा पेच

शिमला। शहरवासियों को राजधानी में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन की सुविधा के लिए अभी इंतजार करना पड़ेगा। नगर निगम की चौड़ा मैदान में चार्जिंग स्टेशन खोलने की योजना में पेच फंस गया है।

अब यहां पहले बिजली का ट्रांसफार्मर लगाना पड़ेगा, इसके बाद ही चार्जिंग स्टेशन खुल पाएगा। दरअसल नगर निगम ने एक कंपनी के साथ चौड़ा मैदान में शहर का पहला चार्जिंग स्टेशन खोलने की योजना बनाई है। कंपनी को स्टेशन के लिए जगह भी सौंप दी है। कंपनी ने बिजली का कनेक्शन लेने के लिए बिजली बोर्ड के पास आवेदन किया था लेकिन बोर्ड का कहना है कि 50 किलोवाट तक के ही कनेक्शन दिए जा सकते हैं। चार्जिंग स्टेशन के लिए इससे ज्यादा बिजली चाहिए, ऐसे में कंपनी को पहले बिजली ट्रांसफार्मर लगाना होगा। यह ट्रांसफार्मर कंपनी को खुद लगाना पड़ेगा। इसकी लागत करीब 40 लाख रुपये है। हालांकि, राहत यह है कि कंपनी यह ट्रांसफार्मर लगाने को तैयार हो गई है। मार्च के अंत तक ट्रांसफार्मर लगाने का काम पूरा करने का दावा किया है। ऐसे में शहरवासियों और सैलानियों को अपने इलेक्ट्रिक वाहनों का चार्ज करने की सुविधा अप्रैल से ही मिल पाएगी। पहले नगर निगम ने जनवरी से यह सुविधा देने की योजना बनाई थी। सरकार भी इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही है। अभी शिमला शहर में निजी वाहनों को चार्ज करने के लिए चार्जिंग स्टेशन की सुविधा नहीं है।

नोडल एजेंसी बिजली बोर्ड, जमीन हो रही परिवहन के नाम

इलेक्ट्रिक व्हीकल पालिसी के अनुसार नोडल एजेंसी बिजली बोर्ड को नोडल एजेंसी बनाया है। इसमें जिन जगहों पर प्रदेश सरकार ने चार्जिंग स्टेशन बनाने प्रस्तावित किए हैं वह जमीन परिवहन विभाग के नाम पर सरकार कर रही है। इस बारे में उच्च पदस्थ अफसर चुप्पी साधे हुए हैं।

शहर में खुलने हैं पांच और स्टेशन

शिमला शहर में नगर निगम पांच और चार्जिंग स्टेशन खोलने की योजना बना रहा है। हालांकि, यह स्टेशन बाद में खुलेंगे। सबसे पहले चौड़ा मैदान में चार्जिंग स्टेशन बनना है। शिमला शहर में अभी करीब आधा दर्जन इलेक्ट्रिक वाहन है। शहर में इलेक्ट्रिक बसें चल रही हैं जिनके लिए एचआरटीसी वर्कशॉप में तीन जगह चार्जिंग की सुविधा है।

कंपनी तैयार, जल्द खुलेगा चार्जिंग स्टेशन

कंपनी ट्रांसफार्मर लगाने को तैयार है और जल्द ही इसका काम पूरा कर लिया जाएगा। शहर की जनता को जल्द चार्जिंग स्टेशन की सुविधा मिल जाएगी।

आशीष कोहली, आयुक्त, नगर निगम शिमला

इनसाइड

हार्मोनल बदलाव ही नहीं महिलाओं की इन 5 परेशानियों को भी ठीक करती है कसूरी मेथी, ये होते हैं फायदे

आयुर्वेद में कसूरी मेथी को औषधि माना गया है। इसका उपयोग कई तरह के रोगों को ठीक करने के लिए किया जाता है। आइए जानते हैं कसूरी मेथी का सेवन करने से महिलाओं की हार्मोनल बदलाव ही नहीं महिलाओं की इन 5 परेशानियों को भी ठीक करती है कसूरी मेथी, ये होते हैं फायदे

खाने का स्वाद बढ़ाना हो या खुशबू, कसूरी मेथी का इस्तेमाल हर रसोई में किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कसूरी मेथी न सिर्फ खाने का स्वाद अच्छा करती है बल्कि सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को भी ठीक करने में मदद करती हैं। आयुर्वेद में कसूरी मेथी को औषधि माना गया है। इसका उपयोग कई तरह के रोगों को ठीक करने के लिए किया जाता है। आइए जानते हैं कसूरी मेथी का सेवन करने से महिलाओं की कौन सी 5 समस्याएं दूर होती हैं।

प्रेग्नेंसी के बाद भी फायदेमंद-
ऐसी महिलाएं जो बच्चों को स्तनपान करवाती हैं उन्हें कसूरी मेथी का सेवन जरूर करना चाहिए। कसूरी मेथी में पाए जाने वाले तत्व ब्रेस्ट मिल्क को बढ़ाने में मदद करते हैं।

एनीमिया से करें बचाव-
भारत में ज्यादातर महिलाएं एनीमिया की शिकार हैं। ऐसी महिलाओं के लिए कसूरी मेथी का सेवन बेहद फायदेमंद होता है। कसूरी मेथी में काफी मात्रा में आयरन मौजूद होता है, जो शरीर में हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाता है। शरीर में खून की कमी होने पर अपनी डाइट में कसूरी मेथी को जरूर शामिल करें।

इंफेक्शन से करें बचाव-
पेट के इंफेक्शन से बचाव करने के साथ कसूरी मेथी का सेवन हार्ट, गैस्ट्रिक और आंतों की समस्याएं को भी दूर रखने में मदद करता है। अगर किसी महिला को पेट से जुड़ी कोई समस्या है तो वो कसूरी मेथी की पत्तियों को सुखाकर उसका पाउडर बना लें। इस पाउडर में नींबू की कुछ बूंदें डालकर इसे उबले हुए पानी के साथ लें।

हार्मोनल बदलाव करे ठीक-
महिलाओं की बॉडी में जीवनभर हार्मोनल बदलाव होते रहते हैं। जिसके पीछे पीरियड्स, गर्भावस्था, मेनोपॉज आदि कारण जिम्मेदार होते हैं। ऐसे में कसूरी मेथी का सेवन हार्मोनल बदलाव को कंट्रोल करके उससे होने वाली परेशानियों को कम करने में मदद करता है।

डायबिटीज करें कंट्रोल-
खानपान में गड़बड़ी का सीधा असर आपके ब्लड शुगर पर पड़ने लगता है। इसे नियंत्रित करने के लिए मेथी का प्रयोग करें। मेथी में एंटी-डायबिटिक गुण होते हैं, जो ब्लड ग्लूकोज के स्तर को नियंत्रित करते हैं। यह टाइप-2 डायबिटीज होने की संभावना को भी कम करता है।

पैरों के तलवों में छिपा है आपका भविष्य:

क्या आप जानते हैं कि पैरों की लकीरें भी हाथों की लकीरों के समान बेहद बलवान होती है। आमतौर पर आपने सुना और देखा है कि लोग अपने भविष्य को लेकर जब जब चिंतित होते हैं, तो वे तब तब उसके उपाय के लिए ज्योतिषविदों की शरण में पहुंचते हैं और अपने हाथ की रेखाओं के जरिए अपने भविष्य और वर्तमान का आकलन करते हैं। मगर इस लेख में हम आपको बताएंगे कि किस प्रकार से आपके पैर भी आपके भविष्य में होने वाली घटनाओं और यहां तक की आपके व्यापार या विवाह से संबंधी कई तरह की जानकारी खुद में समेटे हुए हैं। पैर में नजर आने वाली लकीरों को आप कभी हल्के में मत लें क्योंकि कहीं न कहीं ये लकीरें ही हमारा भाग्य लिखने में सक्षम साबित होती है। तो आईए जानते है कि पैरों के तलवे किस प्रकार व्यक्ति के भविष्य की गाथा सुनाते हैं। वो लोग जिनके पैरों के तलवे एक दम सीधे या फ्लैट होते हैं और जिनके पैर सीधा जमीन की सतह को छूते हैं, वे लोग खुली विचारधारा के होते हैं। वे काम के प्रति बेहद सतर्क और परिश्रमी होते हैं। वे हमेशा अपना काम छोड़कर पहले दूसरों की मदद के लिए हर वक्त तैयार रहते है और अपने विचारों से अन्य लोगों का दिल जीतने की भी उनमें एक अनोखी प्रकार की विधा होती है। इसके अलावा इन लोगों को अपने व्यवहार और दया भावना के लिए समाज में काफी सम्मान मिलता है। अपनी अच्छी सोच की बदौलत इन्हें जीवन में खूब सफलता हासिल होती है।

बच्चों की पढ़ाई को आसान बनाने वाले मेथड

पढ़ने-लिखने की जब बात आती है, तो बच्चे अकसर जवाबों को रटते हुए नजर आते हैं। जहां एक तरफ टीचर्स को कोर्स खत्म करवाने की जल्दी होती है, तो वहीं बच्चे बिना किसी सवाल का मतलब समझे उसके जवाब ज्यों का त्यों रट लेते हैं, ताकि मार्क्स में कोई कमी न रहे। कई बार मां-बाप भी बच्चों पर पढ़ाई के लिए खूब दबाव बनाते हैं। नतीजन बच्चे समझने की बजाय हर चीज को याद करने लगते हैं। जो कुछ वक्त के लिए तो ठीक है, मगर पूरी उम्र आपको उसका फायदा नहीं मिल पाता। उसकी जगह अगर हम कंटेंट को समझने लगें, तो सालों के जवाब न केवल आसान हो जाएंगे बल्कि आप खुद भी जवाब लिख सकते हैं।

क्या होता है पिक्टोरियल मैथड ?
पिक्टोरियल (Pictorial Method) यानी किसी पिक्चर से संबंधित। अगर आप किसी सवाल के जवाब को याद करना चाहते हैं, तो उसे किसी तस्वीर से जोड़ दें या किसी अन्य घटना से जोड़ दें, ताकि आपको वो जवाब उम्र भर के लिए याद हो जाए। अगर आप इतिहास को याद करने में असमर्थ है, तो उसके विषयों को पिक्चर फार्म में याद करने की आदत डालें। जैसे अगर हमें समाज सुधारक राजा राम मोहन राय की बात करनी है, तो हम किसी राजा का चित्र बनाकर उनकी बताई शिक्षाओं को आसानी से बच्चों को याद करवा सकते हैं। आइए जानते हैं इसके फायदे।

देर तक रहता है याद
अगर मैंने एक बार किसी प्रश्न को किसी तस्वीर से जोड़ दिया, तो वो उम्र भर आपको भूल नहीं पाएगा। दरअसल ज्यादातर लोगों की पिक्चर मैमरी तेज होती है। इससे वो जब किसी चीज को एक बार देख लेते हैं, तो वो चीज उनके जहन में उतर जाती है। फिर उसे याद करना तो आसान है। साथ ही वो हमेशा के लिए हमारे माइंड में सेव भी हो जाता है।

विषय बन जाता है रोचक
अगर टीचर बोल-बोल कर किसी विषय पर जानकारी दे रहे हैं, तो कुछ देर बाद बच्चे बोर होने लगते हैं। कोई किताब में तस्वीर बनाता नजर आएगा, तो कहीं दो स्टूडेंट आपस में बात करने लगेंगे। ऐसे में अगर आप बतौर टीचर बच्चों को बोलने के साथ-साथ तस्वीर के जरिए बोर्ड पर साथ-साथ समझाने लगते हैं, इससे बच्चों में दिलचस्पी बनी रहती है। अगर हम बच्चों को इकोनॉमिक्स पढ़ा रहे हैं और रूपये की बात कर रहे हैं, तो रूपये का निशान बनाकर नीचे दो लकीरें खींच दें और उसकी दो टांगे बना दें। इस तरह से बच्चे लंबे वक्त तक अटैंटिव रहते हैं और विषय की रोचकता भी बनी रहती है।

बच्चों की इन्वाल्मेंट बढ़ती है
अब जो बच्चे पढ़ाई से हर वक्त जी चुराते हैं, वो भी पिक्टोरियल मैथड के जरिए मुश्किल सब्जेक्ट को भी आसानी से पढ़ लेते हैं और इंटरस्ट लेने लगते हैं। अब बच्चों में पढ़ाई के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न होने लगती है। वे अब उस सब्जेक्ट के प्रति सजग होने लगते हैं और ज्यादा जानने की इच्छा रखने लगते हैं। इससे बच्चे का जुड़ाव किताबों की ओर बढ़ने लगता है।

विषय के प्रति जानकारी बढ़ती है
अब तक बच्चे केवल उत्तर को रट रहे थे, मगर अब तरह तरह की तस्वीरों और अलग अलग प्रकार के कार्टून करेक्टर या सिम्बल क्रिएट करके वे पढ़ाई को नए तरीके से याद रख रहे हैं। इससे आपको केवल उपरी ज्ञान नहीं बल्कि विषय के बारे में गहन जानकारी हासिल हो सकती है। अब आप विषय को सीधा देखने की बजाय उसके हर एंगल को खोजने का प्रयास करेंगे, जो आपकी पढ़ाई को आसान बना देगा और आपका ज्ञानकोष भी भर देगा। इससे हर ज्ञान के समुद्र में डुबकी लगा सकते हैं और बिना याद करने का प्रयास किए कुछ पिक्चर्स के ज़रिए चीजों को आसान बना सकते हैं।

बच्चे क्रिएटिव बनते हैं

जब हम बच्चों को पिक्टोरियल मैथड से समझाने लगते हैं, तो नदियों और नहरों से लेकर ब्रिटिश इतिहास तक हर टॉपिक बच्चों को अब आसान लगने लगता है। दरअसल, जिन चीजों को याद करने में खूब प्रयास करते थे, वे अब बच्चे धीरे-धीरे अपने आप से कटेंट से जुड़ी तस्वीर क्रिएट करने लगते हैं। जो लेसन्स को किताब के पन्नों से उठाकर सीधा दिमाग में सेव कर देते हैं। इस तरह बच्चों का पढ़ाई से भी जुड़ाव बढ़ने लगता है और उन्हें हर विषय आसानी से याद हो जाता है। इसके अलावा ये तकनीक बच्चों को क्रिएटिव भी बनाती है। वे चीजों को एक दूसरे से इंटरलिक करने लगते है, जिससे बच्चों में ज्ञान में अपार वृद्धि होती है।

बच्चों में डिप्रेशन की समस्या हो जाएगी छू मंतर
अधिकतर ऑनलाइन कक्षाओं में बच्चों को विषयों के बारे में अलग-अलग ढंग से जानकारी देने की कोशिश की जाती है। इसमें से सबसे लोकप्रिय तकनीक है पिक्टोरियल। अगर हम बच्चों की स्कूल की किताबें उठाकर देखें, तो हर चैप्टर में मात्र एक से दो पिक्चर बनी हुई नजर आती है। मगर जैसे-जैसे क्लासिस बढ़ती चली जाती है, वैसे-वैसे पिक्चर का चलन बुक में से खत्म हो जाता है। जो पढ़ाई को बोरिंग बना देता है। बचपन की किताबों में तस्वीरें रंगबिरंगी नजर आती है और उसके बाद किताबें मोटी होती जाती है, तस्वीर भी रंगहीन हो जाती है। धीरे-धीरे बच्चों का मन पढ़ाई से ऊब जाता है। हम जब बच्चों को पढ़ाई की तरफ दोबारा मोड़ना चाहते हैं, तो कई बार ऑनलाइन क्लासिस का सहारा लेते है, जिससे बच्चे दोबारा उसी जोश के साथ पढ़ाई करने लगते हैं।

बच्चों को पढ़ाई के लिए हर बार मजबूर करना पेंरेटस और बच्चे के आपसी रिश्ते को कमजोर बना देता है। बेशक, बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए पढ़ाई जरूरी है, मगर पहले हमें उनके स्तर और जरूरतों को समझना होगा, ताकि आसानी से वे अपनी हर बात आपसे शेयर कर सकें।

कई बार मां-बाप भी बच्चों पर पढ़ाई के लिए खूब दबाव बनाते हैं। नतीजन बच्चे समझने की बजाय हर चीज को याद करने लगते हैं। जो कुछ वक्त के लिए तो ठीक है, मगर पूरी उम्र आपको उसका फायदा नहीं मिल पाता। उसकी जगह अगर हम कंटेंट को समझने लगें, तो सालों के जवाब न केवल आसान हो जाएंगे बल्कि आप खुद भी जवाब लिख सकते हैं।

महिलाओं को उदासी, निराशा और डिप्रेशन की शिकायत करती है काफी परेशान, अपनाये ये नुस्खे

सर्दी आते ही दिन छोटे हो जाते हैं और रोशनी की कमी हो जाती है. ये चीजें डिप्रेशन को ट्रिगर कर सकती हैं. विंटर ब्लूज के ये लक्षण कई महिलाओं में देखने को मिलते हैं, जिससे परिवार के अन्य सदस्य भी प्रभावित हो सकते हैं. महिलाएं विंटर ब्लूज से खुद को कुछ टिप्स अपनाकर उबार सकती हैं.

विंटर के मौसम में उदासी, निराशा और डिप्रेशन की शिकायत काफी महिलाओं को परेशान करती है. खासतौर पर अगर वे हाउस वाइफ या उम्रदराज महिला हैं तो विंटर ब्लूज़ के कई लक्षण उन्हें घर पर उदास महसूस कराते हैं. एवरीडेहेल्ड के मुताबिक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के विशेषज्ञ यह मानते रहे हैं कि विंटर ब्लूज़ काफी कॉमन समस्या है जिसमें सामान्य से अधिक उदासी, कम ऊर्जावान या किसी भी चीज में मन ना लगने जैसे लक्षण दिखते हैं. शिकागो में नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी फीनबर्ग स्कूल ऑफ मेडिसिन में मनोचिकित्सा और व्यवहार विज्ञान के प्रोफेसर जैकलिन गोलन का कहना है यह एक संकेत है कि जो बताता है कि उन्हें अब जीवन में खुद पर कुछ ध्यान देने की जरूरत है और इसे आप इग्नोर नहीं कर सकते हैं. ऐसे में अगर इन दिनों आपमें भी विंटर ब्लूज़ के लक्षण दिख रहे हैं तो जरूरी है कि आप अपने लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव लाएं और खुद का खास ख्याल रखें.

विंटर ब्लूज से बचने के उपाय

वॉक पर जाएं
अगर आप रोज 20 मिनट तक बाहर वॉक पर जाएं तो इससे आपके डिप्रेशन को कम करने और खुद को मानसिक और शारीरिक रूप से बेहतर रखने में काफी मदद मिलेगी.

नींद पर दें ध्यान
यह जरूरी है कि आप 8 से 9 घंटे की नींद पूरी करें. इसके लिए बेहतर होगा कि आप अलार्म लगाएं. बेहतर नींद के लिए आप अपने लाइफस्टाइल में बदलाव लाएं. आप अपने सोने के रुटीन को भी हेल्दी और आरामदायक रखें.

खूब हंसें
अगर आप परेशान हैं तो बेहतर होगा कि आप कुछ कॉमेडी शो या कॉमेडी मूवी देखें और खूब हंसें. ये आपके ब्रेन में पनप रहे डिप्रेशन हार्मोन को कंट्रोल करने में मदद करेगा और आप मेंटली रिलैक्स महसूस करेंगी.

कोकोआ का सेवन
विंटर ब्लू के असर को दूर करने के लिए आप अपने डाइट में कोकोआ को शामिल करें. इसके लिए आप गर्मागर्म पानी में कोकोआ पाउडर को मिलाएं और चाय की तरह इसका आनंद उठाएं. इसमें मौजूद विटामिन डी, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट सेरोटोनिन लेवल मेंटल रिलैक्स महसूस करने में मदद करता है.

ओमेगा 3 फैटी एसिड
आप अपने डाइट में ओमेगा 3 फैटी एसिड से भरपूर भोजन को शामिल कर सकते हैं. इसके लिए आप डाइट में मछली, ड्राई फ्रूट आदि को शामिल करें.

पार्टी अरेंज करें
आप विंटर में छोटी छोटी पार्टीज़ अरेंज कर भी डिप्रेशन से दूर हो सकती हैं. मसलन, डिनर पार्टी, बोर्ड गेम पार्टी, किटी पार्टी आदि. इससे आपका सोशल सर्कल बढ़ेगा और आप खुद को इंगेज रख पाएंगी.

धूप में कुछ देर बैठें
विंटर में वैसे तो धूप लेना हर कोई करना चाहता है. लेकिन अगर आप उदासी से परेशान हैं तो भी बाहर निकलें और धूप में बैठें. ये आपके शरीर में विटामिन डी लेवल को ठीक रखने का काम करेगा, जिससे आपका मूड बूस्ट होगा.

कुछ सामान्य लक्षण जो 5 तरह के गाइनेकोलॉजिकल कैंसर में होते हैं कॉमन, आप भी दें ध्यान

कैंसर एक जानलेवा बीमारी है. यदि इसका समय रहते इलाज शुरू ना किया जाए तो कई गंभीर मामलों में व्यक्ति की जान चली जाती है. बॉडी में ट्यूमर सेल्स की अनकंट्रोल्ड ग्रोथ सिर्फ एक बॉडी पार्ट के लिए नहीं, बल्कि पूरे शरीर के लिए खतरे की घंटी बन सकती है. कैंसर के कुछ ऐसे प्रकार हैं, जो सिर्फ महिलाओं को इनफेक्ट कर सकते हैं. ऐसे में महिलाओं में कैंसर की समस्या ज्यादा खतरनाक हो सकती है. ओवरीज, कोख या वेजाइना जैसे फीमेल रिप्रोडक्टिव पार्ट्स पर असर करने वाले ये गाइनेकोलॉजिकल कैंसर ढेरों बड़ी परेशानियों का कारण बन सकते हैं. सही समाधान के लिए सही समय पर बीमारी की पहचान कर, सही इलाज कराना जरूरी है. दवाइयों के साथ सही ट्रीटमेंट की मदद से इन परेशानियों से निजात पाई जा सकती है. आइए जानते हैं 5 तरह के गाइनेकोलॉजिकल कैंसर में कौन से आम लक्षण देखे जाते हैं :

एमडैंडरसन डॉट ओआरजी के अनुसार, वुलवर कैंसर के अलावा सभी गाइनेकोलॉजिकल कैंसर में ब्लीडिंग की समस्या देखने को मिलती है. वेजाइना से

किसी भी तरह के डिस्चार्ज या ब्लीडिंग को नजरंदाज करना घातक साबित हो सकता है. पेट दर्द के साथ ही कमर दर्द भी किसी बड़े खतरे की दस्तक हो सकती है. ऐसे में सही समय डॉक्टर से परामर्श अवश्य ले लें.

-बार-बार पेशाब आना किसी गंभीर स्थिति की ओर इशारा हो सकता है. लगातार टॉयलेट जाने की शिकायत कैंसर के साथ ही अन्य परेशानियों का भी लक्षण हो सकती है. ऐसे में जल्द से जल्द डॉक्टर से सलाह करा लें.

-वेजाइना या दूसरे रिप्रोडक्टिव पार्ट्स में खुजली, जलन और ज्यादा सेंसटिविटी कैंसर का लक्षण हो सकती है. इन्फेक्शन में भी ऐसे लक्षण देखे जा सकते हैं, ऐसे में इन्हें इग्नोर करने का रिस्क लेने से बचें.

-सेक्स के दौरान या बाद में ज्यादा असामान्य दर्द महसूस होने पर जरूरी टेस्ट अवश्य करा लें. ये दर्द गाइनेकोलॉजिकल कैंसर के शुरुवाती लक्षणों में शुमार है.

-पेडू या पेल्विक एरिया में दर्द होना कैंसर की ओर संकेत करता है. बार-बार इस तरह का दर्द होने पर डॉक्टर को अवश्य दिखा लें नहीं तो समस्या के गंभीर होने की संभावना बढ़ जाती है.

-खाना खाने में असहजता, पेट जल्दी भर जाना, भूख कम लगना या सूजन भी गाइनेकोलॉजिकल कैंसर का संकेत हो सकता है. ऐसे में घबराने की जगह सही उपचार का ख्याल करें.

ब्रीफ न्यूज

देश को एकजुट समर्थन की जरूरत, हमारे विकास की रफ्तार पर न लगे कोई ग्रहण

नई दिल्ली। 'फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया' के अभियान में अपनी भागीदारी जरूरी है। यह देश को विकास पथ पर अग्रसर करने वाले महान लोगों के प्रति आभार होगा। हमारी पृथ्वी अब 8 अरब लोगों का घर है। दिलचस्प बात यह है कि इसमें सबसे बड़ा योगदान भारत का है, जो इस साल चीन को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा। इस बीच विश्व आर्थिक मंच से एक बुरी खबर आई है कि इसी साल पूरी दुनिया में मंदी अपना पांव पसार लेगी। 'प्राइस वाटर सुपरमैन' की रिपोर्ट के अनुसार, अगला एक साल बेहद कठिन रहेगा। इस मंदी का असर भारत पर भी पड़ेगा। लगभग 140 करोड़ लोगों की रोजी-रोटी बचाने और विकास दर बढ़ाने की चुनौती रहेगी।

इससे पार पाने के लिए देशवासियों की एकजुटता ही समाधान देगी। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का 18 महीने का कार्यकाल चुनौतियों से भरा था। उस समय भोजन का भारी संकट था और चीन से शिकस्त के बाद भारत का मनोबल उठाने की चुनौती थी। पाकिस्तान ने 1965 में भारत पर हमला बोल दिया। गरीबी के कारण भारत एक और युद्ध का सामना करने की स्थिति में नहीं था, लेकिन शास्त्री जी को देशवासियों ने पूर्ण समर्थन दिया, जिसके परिणामस्वरूप पाकिस्तान हार गया। शास्त्री जी ने कब्जा किए हुए क्षेत्र को लौटाने से मना कर दिया, तब अमेरिका और रूस ने ताशकंद समझौते का फॉर्मूला निकाला। शास्त्री जी के समय ही आर्थिक मोर्चे पर भी भारत को अलग ताकत मिली। 'हरित क्रांति' के जनक डॉ. एमएस स्वामीनाथन ने गेहूं उत्पादन और डॉ. वर्गीज कुरियन ने 'श्वेत क्रांति' के बीज बोए। उनसे पहले मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया ने बांध, भवन और मूलभूत ढांचा निर्माण उद्योग को बढ़ावा देकर विकास को स्थाई आधार दिया। 90 के दशक के बाद दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी का आगमन हुआ, आवासीय भवन निर्माण में तेजी आई, ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर देश बढ़ा और आज डिजिटल करेंसी के दौर में हम पहुंच गए हैं। समय, काल और परिस्थितियां किसी भी राष्ट्र के विकास के महत्वपूर्ण कारक हैं। कोविड-19 के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था की तेजी पर भी ब्रेक लगा, लेकिन महामारी पर नियंत्रण के बाद भारत दुनिया की सबसे तेज बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था में शामिल हो गया।

आज देश को एकजुट समर्थन की जरूरत है, ताकि हमारे विकास की रफ्तार पर कोई ग्रहण न लगे। इसलिए अब हाथों में हाथ डालकर तिरंगे की प्रेरणा से राष्ट्रीय एकता को अपनी ढाल बनाने की आवश्यकता है। यही वजह है कि 'फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया' ने देशवासियों को जोड़ने के लिए शपथ अभियान चला रखा है। प्रयास है कि प्रत्येक देशवासी यह समझे कि भारत सबसे पहले है। पिछले वर्ष देश के प्रति प्रेम का भाव जगाने के लिए आजादी का अमृत महोत्सव मनाया गया और अगले 25 साल अमृत काल के रूप में परिभाषित किए गए, जिसमें हमें भारत को अग्रणी राष्ट्र बनाना है। 23 जनवरी, 2004 को सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के बाद देशवासियों को साल के 365 दिन पूरे तिरंगा फहराने की जो आजादी मिली, वो राष्ट्र को मजबूत करने के एक दायित्व के रूप में मिली। हमारा देश विविधताओं में एकता का देश है तो इस एकता के पीछे हमारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा है। तिरंगे में निहित देशभक्ति की भावना को घर-घर पहुंचाने के लिए चलाया गया फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया का अभियान देश को आजादी दिलाने वाले और देश को विकास पथ पर अग्रसर करने वालों के प्रति के योगदान के प्रति एक आभार है।

पार्किंग विवाद में कर्मचारियों को बैट से पीटा, एक गंभीर रूप से घायल, दूसरा आईसीयू में

नई दिल्ली। हादसे का शिकार मनोज ने बताया कि जब उसने हमें पीटना शुरू किया तो हम भागे लेकिन उसने मेरे सह-कर्मचारियों को पकड़ लिया और उसे बुरी तरह पीटा। वह अभी आईसीयू में है। वसंत विहार में पार्किंग शुल्क देने से इनकार करने पर व्यक्ति ने कथित तौर पर 2 पार्किंग कर्मचारियों को बैट से पीटा। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार इस झड़प में 1 कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे का शिकार मनोज ने बताया कि जब उसने हमें पीटना शुरू किया तो हम भागे लेकिन उसने मेरे सह-कर्मचारियों को पकड़ लिया और उसे बुरी तरह पीटा। वह अभी आईसीयू में है। हमने शिकायत की है।

कैसे सुरक्षित रहेगी दिल्ली: सर्वे में खुलासा, बड़ी संख्या में राजधानी की स्ट्रीट लाइटें खराब, LG ने लगाई फटकार

पुलिस ने चार जुलाई, 22 को सर्वे किया था जिसके तहत 280 मार्गों व स्थानों पर 3482 स्ट्रीट लाइटें खराब थीं।

एनटीवी संवाददाता

पीसीआर व ट्रैफिक यूनिट के सर्वे पर उपराज्यपाल ने तीनों निकायों के अधिकारियों को खरी-खोटी सुनाते हुए फटकार लगाई। उपराज्यपाल ने सख्त आदेश दिया है कि दिल्ली में स्ट्रीट लाइटें रात में जलनी चाहिए।

नई दिल्ली। ज्यादातर सड़कों पर अंधेरा रहने से राजधानी के लोग असुरक्षित सफर करने को मजबूर हैं। बुधवार रात दिल्ली में 126 किलोमीटर की लंबाई के 143 प्रमुख मार्गों व स्थानों पर कुल 1116 स्ट्रीट लाइटें खराब थीं। ये खुलासा दिल्ली ट्रैफिक पुलिस व पीसीआर के सर्वे में सामने आया है। कुछ स्ट्रीट लाइट एक माह से खराब हैं। ऐसे में दिल्ली के डार्क स्पॉट खत्म होने का नाम नहीं ले रहे हैं। इस मामले को उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने भी संज्ञान में लिया और महिला सुरक्षा को लेकर गुरुवार को बैठक में नगर निगम, एनडीएमसी और पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को जमकर लताड़ लगाई।

पूरी दिल्ली में प्रमुख मार्गों पर लगी स्ट्रीट लाइटों का हर रात निरीक्षण किया जाता है। पुलिस सर्वे के बाद खराब स्ट्रीट लाइटों की सूचना संबंधित विभागों को भेजती है। पुलिस ने चार जुलाई, 22 को सर्वे किया था जिसके तहत 280 मार्गों व स्थानों पर 3482 स्ट्रीट लाइटें खराब थीं। इसी तरह छह फरवरी, 2023 को कुल 2740 लाइटें खराब मिलीं। इनमें से 1437 लाइटें एक महीने से खराब थीं, इन्हें ठीक करने के लिए संबंधित विभागों को कई बार लिखा गया था।

वहीं, ट्रैफिक पुलिस व पीसीआर यूनिट ने बुधवार रात भी खराब स्ट्रीट लाइटों को लेकर सर्वे किया तो 1116 स्ट्रीट लाइटें खराब मिलीं। इनमें से भी कई एक माह से खराब थीं। खास बात ये भी है कि सुरक्षा के लिहाज से अति संवेदनशील मनाने जाने वाले इलाकों में भी स्ट्रीट लाइटें खराब थीं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, उपराज्यपाल ने दिल्ली पुलिस को महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाने के आदेश दिए हैं। ऐसे में पुलिस इस तरह के सर्वे आगे भी करवाती रहेगी। उपराज्यपाल के आदेश पर पुलिस सर्वे कर रही है।

रात में स्ट्रीट लाइटें जली रहने के सख्त आदेश

पीसीआर व ट्रैफिक यूनिट के सर्वे पर उपराज्यपाल ने तीनों निकायों के अधिकारियों को खरी-खोटी सुनाते हुए फटकार लगाई। उपराज्यपाल ने सख्त आदेश दिया है कि दिल्ली में स्ट्रीट लाइटें रात में जलनी चाहिए, जिस निकाय के इलाके में स्ट्रीट लाइटें नहीं जलेंगी उस निकाय के अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

एप न होने पर पीडब्ल्यूडी को लगाई फटकार

निगम व एनडीएमसी ने अपने-अपने इलाके में स्ट्रीट लाइट में एप लगा रखा है। स्ट्रीट लाइट के खराब होने पर इससे तुरंत पता लग जाता है, लेकिन पीडब्ल्यूडी ने अपने इलाके में स्ट्रीट लाइटों में एप नहीं लगा रखा है। इसकी जानकारी मिलने पर उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को सबसे ज्यादा फटकार लगाई। उन्होंने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को स्ट्रीट लाइटों में एप लगाने के सख्त आदेश दिए हैं।

ईडब्ल्यूएस व वंचित वर्ग के लिए दाखिला प्रक्रिया आज से, तीन मार्च को निकाला जाएगा पहला ड्रॉ

एनटीवी संवाददाता

नई दिल्ली। शिक्षा निदेशालय ने ईडब्ल्यूएस व डीजी श्रेणी के लिए आयु सीमा निर्धारित की है। इन श्रेणी के तहत नर्सरी में दाखिले के लिए आयु सीमा 31 मार्च 2023 तक तीन से पांच वर्ष होना अनिवार्य है।

राजधानी के निजी स्कूलों में नर्सरी, केजी और पहली कक्षा में आर्थिक पिछड़े वर्ग (ईडब्ल्यूएस) व वंचित, और दिव्यांग श्रेणी की 25 फीसदी सीटों के लिए आवेदन प्रक्रिया शुक्रवार (10 फरवरी) से शुरू होने जा रही है। इन सीटों पर दाखिले के इच्छुक आवेदक शिक्षा निदेशालय की वेबसाइट www.edudel.nic.in पर उपलब्ध Ews/Dg लिंक के माध्यम से 25 फरवरी तक आवेदन कर सकते हैं। दाखिले के लिए पहला कंप्यूटराइज्ड ड्रॉ तीन मार्च को निकाला जाएगा।

शिक्षा निदेशालय ने ईडब्ल्यूएस व डीजी श्रेणी के लिए आयु सीमा निर्धारित की है। इन श्रेणी के तहत नर्सरी में दाखिले के लिए आयु सीमा 31 मार्च 2023 तक तीन से पांच वर्ष होना अनिवार्य है। केजी के लिए आयु सीमा चार से छह वर्ष तय की गई है। वहीं, पहली कक्षा के लिए आयु सीमा पांच से सात वर्ष होना जरूरी है, जबकि दिव्यांग श्रेणी के लिए नर्सरी में दाखिले की आयु सीमा 3-9 वर्ष, केजी की 4-9 वर्ष व पहली कक्षा में दाखिले के लिए आयु सीमा 5-9 वर्ष है।

एक आवेदक का एक ही आवेदन फॉर्म स्वीकार किया जाएगा। एक से ज्यादा ऑनलाइन आवेदन न हो इसके लिए बच्चे का आधार नंबर अनिवार्य किया गया है। जबकि दिव्यांग श्रेणी के बच्चों को आवेदन करने के लिए आय प्रमाण पत्र जरूरी नहीं है। सभी श्रेणियों में दाखिले के लिए अभिभावक के लिए तीन वर्ष से दिल्ली का निवासी होना जरूरी है।

ईडब्लयूएस व वंचित वर्ग के दाखिले के संबंध में शिकायत http://doepvt.delhi.gov.in पर या फोन नंबर 8800355192, 9818154069 पर सुबह दस बजे से शाम पांच बजे तक सोमवार से शुक्रवार तक की जा सकती है।

मालूम हो कि 25 फीसदी सीटों में से 22 फीसदी सीटें एक लाख वार्षिक पारिवारिक आय से कम वाले ईडब्ल्यूएस के बच्चे, डीजी श्रेणी के तहत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर) अनाथ, ट्रांसजेंडर व एचआईवी प्रभावित बच्चों के लिए व अन्य तीन फीसदी सीटें दिव्यांग श्रेणी के बच्चों के लिए हैं।

रात 11 से सुबह 5 बजे तक दिल्ली पुलिस करेगी नाइट पेट्रोलिंग, हो गया ड्यूटी का बंटवारा

एनटीवी संवाददाता

नई दिल्ली। कंझावला कांड के बाद पुलिस की खराब हुई छवि को पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ठीक करने की कोशिश में जुटे हैं। बाहरी दिल्ली में रात के समय अंजलि को 13 किमी तक घसीटा गया था, लेकिन पुलिस को भनक तक नहीं लगी थी, जबकि रूट पर पांच पीसीआर और पिकेट लगी हुई थी। ऐसे में दिल्ली पुलिस आयुक्त ने आदेश दिया है कि पुलिसकर्मी अब रात में 11 से सुबह 5 बजे तक नाइट पेट्रोलिंग करेंगे। हर पिकेट पर तीन पुलिसकर्मी तैनात होंगे। हर पुलिसकर्मी की अलग-अलग ड्यूटी होगी।

पुलिसकर्मियों की सतर्कता तो चेक करने के लिए नाइट ऑफिसर (जीओ) की ओर से टेस्ट कॉल की जाएंगी। नाइट पेट्रोलिंग की चेकिंग का ब्योरा रजिस्टर में दर्ज करना होगा। पुलिस ने 31 जनवरी को सर्कुलर (नंबर-4) जारी कर आदेश में कहा है कि पुलिसकर्मी नाइट पेट्रोलिंग करेंगे। हर पुलिस स्टेशन में होमगार्ड व पुलिस मित्र की इस दौरान सहायता ली जाएगी। बॉर्डर, स्थायी पिकेट, मोबाइल पेट्रोलिंग व फुट पेट्रोलिंग भी होगी।

वायरलेस सेट, छोटे हथियार व वाहन रजिस्टर नाइट पेट्रोलिंग में तैनात पुलिसकर्मियों को दिए जाएंगे। थाना इलाके में बनी हर एक पिकेट पर तीन पुलिसकर्मी तैनात होंगे। पिकेट पर तैनात एक पुलिसकर्मी के पास लंबी दूरी तक वार करने वाला हथियार होगा। वह सुविधा के हिसाब से अपनी पोजिशन लेकर तैनात रहेगा। पिकेट पर तैनात दूसरा पुलिसकर्मी गुजरने वाले वाहनों की चेकिंग करेगा। तीसरा पुलिसकर्मी चेक किए गए वाहनों का ब्योरा रजिस्टर में दर्ज करेगा।

चेकिंग के दौरान संदिग्ध वाहनों का ब्योरा रजिस्टर में किया जाएगा दर्ज

वाहनों पर नाइट पेट्रोलिंग करने वाले पुलिसकर्मियों के पास बड़े हथियार होंगे और संदिग्ध वाहनों को चेक करेंगे। संदिग्ध वाहनों का ब्योरा रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा। पुलिसकर्मियों को रजिस्टर जिला डीसीपी की ओर से उपलब्ध कराए जाएंगे। अगर नाइट पेट्रोलिंग व पिकेट पर ड्यूटी करने वाले पुलिसकर्मियों को ये रजिस्टर नहीं मिला तो संबंधित स्टाफ, थाने में तैनात इंस्पेक्टर (कानून व्यवस्था) और संबंधित थानाध्यक्ष के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी। नाइट जीओ रात को ड्यूटी के दौरान ये सुनिश्चित करेंगे कि एसआई व इंस्पेक्टर पिकेट और नाइट पेट्रोलिंग स्टाफ को चेक कर रहे रहे हैं या नहीं।

ट्रांसपोर्ट नगर की झुग्गियों में लगी भीषण आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली। बताया जा रहा है कि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। हालांकि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि आग कैसे लगी और इसमें कितना नुकसान हुआ। दिल्ली के पंजाबी बाग इलाके के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित झुग्गियों में भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि इसमें दर्जनों झुग्गियां जलकर राख हो गईं। आग लगते ही सूचना दमकल विभाग को दी गई। दमकल वाहनों के मौके पर पहुंचने से पहले ही आग विकराल रूप ले चुकी थी। दमकल विभाग ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। हालांकि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि आग कैसे लगी और इसमें कितना नुकसान हुआ।

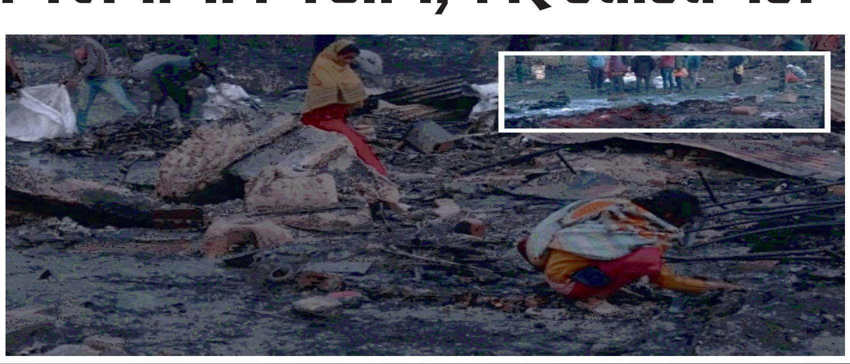

तीसरी बेटी हुई तो मंदिर के बाहर छोड़ गई मां, फिर गढ़ी अपहरण की झूठी कहानी; पुलिस जांच के बाद उगला सच

मध्य जिला के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बुधवार शाम को 5:16 और 5:21 बजे महिला ने कॉल कर पुलिस को खबर दी कि बाइक सवार दो बदमाशों ने रानी झांसी रोड, मामा-भांजा की मजार के पास उसकी बच्ची छीन ली है।

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली के देशबंधु गुप्ता रोड थाना इलाके में बुधवार शाम एक राष्ट्रीय पार्टी के नेता की पत्नी ने बच्ची के अगवा होने की सूचना दे दी। ऐसे में पूरे जिले की पुलिस हरकत में आ गई। इसके बाद लोकल पुलिस के अलावा जिले के स्पेशल स्टाफ को बच्ची की तलाश में लगा दिया गया। पुलिस की पड़ताल के बाद रात को उत्तरी दिल्ली के मौरिस नगर में एक मंदिर के बाहर से बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया गया। मामला संदिग्ध लगने पर जब बच्ची की मां से पूछताछ हुई तो वह बार-बार बयान बदलने लगी। बाद में उसने कबूल लिया कि लगातार तीसरी बेटी होने से हताश होकर बच्ची को मंदिर के बाहर छोड़कर झूठी कॉल की थी।

मध्य जिला के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बुधवार शाम को 5:16 और 5:21 बजे महिला ने कॉल कर पुलिस को खबर दी कि बाइक सवार दो बदमाशों ने रानी झांसी रोड, मामा-भांजा की मजार के पास उसकी बच्ची छीन ली है। वारदात के बाद बदमाश फरार हो गए हैं।

सीसीटीवी से गहराया महिला पर शक

पुलिस मौके पर पहुंची तो महिला ने बताया कि वह परिवार के साथ मल्कागंज इलाके में रहती है। वह एक राष्ट्रीय पार्टी के नेता की पत्नी है। पुलिस की जांच के बाद रात को मौरिस नगर के शिव मंदिर के बाहर बच्ची मिल गई।

इस बीच जहां से बच्चा छीनने की बात हो रही थी, वहां लगे सीसीटीवी की पड़ताल पुलिस ने की तो किसी घटना का पता नहीं चला। शक के आधार पर महिला से बात हुई तो उसने हकीकत कबूल ली।

उसने बताया कि खुद ही बच्चे को मौरिस नगर छोड़कर यहां आकर झूठी कॉल की थी। महिला के यहां लगातार तीसरी बार बेटी पैदा हुई थी। इस बात से वह हताश थी। उसने बच्ची को वहां छोड़कर झूठी कॉल करने का मन बनाया था। वहीं, मामले पर पति ने कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

बिना सूचना रूट डायवर्ट, सुबह से हाईवे पर लगी लंबी कतारें, जाम के झाम में फंसे परीक्षार्थी

एनटीवी न्यूज

टोल प्लाजा से गाजियाबाद और हापुड़ की तरफ टोल प्लाजा तक वाहनों की कतार लगी है। हापुड़ की तरफ से आ रहे निजी वाहनों को धौलाना कट से निकाला जा रहा है। जो आगे जाकर गांव धौलाना से मसूरी-गुलावठी मार्ग से होते मसूरी गाजियाबाद पहुंच रहे हैं। जबकि गाजियाबाद से आ रहे निजी वाहनों को ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे से निकाला जा रहा है।

हापुड़। दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग-9 पर पिलखुवा में शुक्रवार की सुबह से ही भीषण जाम लग गया। छिजारसी टोल प्लाजा से वाहनों का डायवर्जन किया गया। बड़े वाहनों को टोल प्लाजा के आसपास रोक दिया गया है। जिससे यातायात व्यवस्था चरमरा गई है। पुलिस यातायात व्यवस्था सुचारू कराने के प्रयास में जुटी है।

लखनऊ में आयोजित यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट शुभारंभ के चलते जिला अमरोहा में बिना किसी पूर्व सूचना के बड़े वाहनों के प्रवेश पर पाबंदी लगा दी गई। ऐसे में स्थिति न बिगड़े, इसके लिए दिल्ली, गाजियाबाद की तरफ से आ रहे बड़े वाहनों को छिजारसी टोल प्लाजा के आसपास रोक दिया गया है। सुबह पांच बजे से वाहनों को रोका जा रहा है। जिससे बड़े वाहनों की लाइन लंबी होने के चलते हाईवे पर जाम के हालात बन गए।

टोल प्लाजा से गाजियाबाद और हापुड़ की तरफ टोल प्लाजा तक वाहनों की कतार लगी है। हापुड़ की तरफ से आ रहे निजी वाहनों को धौलाना कट से निकाला जा रहा है। जो आगे जाकर गांव धौलाना से मसूरी-गुलावठी मार्ग से होते मसूरी गाजियाबाद पहुंच रहे हैं। जबकि गाजियाबाद से आ रहे निजी वाहनों को ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे से निकाला जा रहा है।

थाना प्रभारी निरीक्षक मुनीष प्रताप सिंह का कहना है कि बड़े वाहनों को रोकने के चलते हाईवे पर जाम के हालात है। यातायात सुचारू रखने के लिए बीच-बीच में कम संख्या में बड़े वाहनों को निकालने का प्रयास किया जा रहा है।

परीक्षा देने वाले छात्र भी परेशान

शुक्रवार को एलएलबी की परीक्षा देने के लिए जनपद में आने वाले व गाजियाबाद जाने वाले परीक्षार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जाम में फंसे छात्र परीक्षा छूटने के डर से भाग दौड़ करते नजर आए। वे किसी तरह अपने गंतव्य पर पहुंचने का प्रयास करते रहे।

ब्रीफ न्यूज

यमुना एक्सप्रेसवे के रास्ते आगरा से नोएडा आ रही कार नीचे गिरी, छह घायल

टूंडला के रहने वाले गोपाल आगरा के प्रवीण कुमार शर्मा विमल कुमार मौहर सिंह संतोष व नोएडा के रहने वाले विकास आगरा से ईको कार द्वारा यमुना एक्सप्रेस वे रास्ते नोएडा आ रहे थे। उसी दौरान दयानतपुर गांव के समीप टायर फटने से गाडी अनियंत्रित होकर एक्सप्रेसवे से नीचे गिरी। आगरा से नोएडा आ रही एक ईको कार शुक्रवार शाम को अनियंत्रित होकर यमुना एक्सप्रेसवे पर गांव दयानतपुर के समीप रैलिंग तोड़ते हुए नीचे गिर गई। हादसे में कार सवार छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें जेवर स्थित कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टूंडला के रहने वाले गोपाल, आगरा के प्रवीण कुमार शर्मा, विमल कुमार, मौहर सिंह, संतोष व नोएडा के रहने वाले विकास आगरा से ईको कार द्वारा यमुना एक्सप्रेस वे रास्ते नोएडा आ रहे थे। उसी दौरान दयानतपुर गांव के समीप टायर फटने से गाडी अनियंत्रित होकर एक्सप्रेसवे से नीचे जा गिरी। हादसे में कार में सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस व जेपी इंफ्राटेक की राहत टीम ने घायलों को जेवर स्थित कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया। वहां गंभीर रूप से घायल गोपाल व विकास का आइसीयू में भर्ती है, जबकि अन्य मामूली रूप से घायल हुए हैं। जिनका उपचार भी अस्पताल में चल रहा है।

कतर में रहने वाली युवती का डेबिट कार्ड बदलकर 1.14 लाख ठगे

गाजियाबाद। कतर में रहने वाली एक युवती के पिता से उनका डेबिट कार्ड बदलकर एक ठग ने उनके बैंक खाते से 1.14 लाख रुपये निकाल लिए। मोबाइल पर रकम निकाले जाने का संदेश मिलने पर ठगी का पता चला। आरोपी एटीएम में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। युवती के पिता ने घंटाघर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। वेव सिटी में रहने वाले वीरेंद्र प्रकाश का कहना है कि उनकी बेटी रिया सक्सेना कतर में रहती है। रिया का डेबिट कार्ड उनके पास था। बेटी के खाते से रुपये निकालने के लिए वह डेबिट कार्ड लेकर पंचवटी कालोनी स्थित एचडीएफसी के एटीएम बूथ पर गए थे। इस दौरान वहां खड़े एक युवक ने खुद को बैंक का कर्मचारी बताते हुए मदद का झांसा दिया। उन्होंने रकम निकाली और घर आ गए। इसी दौरान युवक ने उनका डेबिट कार्ड बदल लिया और पिन नंबर का भी पता कर लिया। कुछ ही देर बाद आरोपी ने उनकी बेटी के खाते से 1.14 लाख रुपये निकाल लिए। एसीपी कोतवाली अंशु जैन का कहना है कि रिपोर्ट दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है।

खुद को आईपीएस अफसर बताकर 5.20 लाख रुपये लिए, वापस मांगने पर पिस्टल तानी

गाजियाबाद। खुद को आईपीएस ऑफिसर बताकर पहले एक युवक ने चार्टर्ड अकाउंटेंट के माध्यम से टप्पल के रहने वाले एक व्यक्ति से 5.20 लाख रुपये उधार ले लिए और फिर लौटाने से इनकार कर दिया। चार्टर्ड अकाउंटेंट ने रुपये लौटाने को कहा तो अपने डिपार्टमेंट स्टोर के उद्घाटन पर उन्हें बुलाया और कनपटी पर पिस्टल तानकर जान से मारने की धमकी दी। चार्टर्ड अकाउंटेंट ने खुद को आईपीएस अफसर बताने वाले अंकित शर्मा के खिलाफ कविनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

नोएडा के रहने वाले चार्टर्ड अकाउंटेंट कपिल वार्ष्णेय का सेक्टर-62 नोएडा में कार्यालय है। उनका कहना है कि गाजियाबाद के अवंतिका एक्सटेंशन में रहने वाले अंकित शर्मा ने व्यापार के संबंध में उनसे संपर्क किया। अंकित ने खुद को आईपीएस अफसर बताया और हैप्पी सिटी मार्ट के नाम से डिपार्टमेंटल स्टोर खोलने की बात कहकर रकम उधार मांगी। कपिल वार्ष्णेय का कहना है कि उन्होंने टप्पल निवासी अपने क्लाइंट योगेश चौधरी से अपनी गारंटी पर दिसंबर 2022 में एक बार 1.10 लाख रुपये और दूसरी बार में चार लाख रुपये 15 दिन के लिए उधार दिला दिए। निर्धारित अवधि बीत जाने पर उन्होंने फोन करके अंकित शर्मा से रकम वापस मांगी तो उसने गाली-गलौज कर गोली मारने की धमक दी, लेकिन उनकी पत्नी से सही ढंग से बात कर कुछ दिन बाद रुपये लौटाने का वादा किया। इसके बाद समय बिता दिया।

कुछ दिन बाद उन्होंने अपने डिपार्टमेंटल स्टोर के उद्घाटन के नाम पर बुलाया तो वह योगेश चौधरी से साथ पहुंचे। अपना स्टोर दिखाकर वह प्रथम तल पर कार्यालय में ले गया और अभद्रता की। आरोप है कि अंकित ने उन पर पिस्टल तान दी और बोला कल तेरे ऑफिस आकर देख लूंगा। अपने आईपीएस अफसर होने की बात कहकर उसने जेल भिजवाने की भी धमकी दी। उन्होंने अंकित पर कार्रवाई और हथियार जब्त कराने की भी मांग की है। कविनगर एसीपी का कहना है कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर लिफ्ट लेने के बहाने की लूट, एक गिरफ्तार

मसूरी। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर लिफ्ट लेने के बहाने तीन बदमाशों ने ट्रक चालक को धमका कर मोबाइल और पर्स लूट लिया। लूट के बाद तीनों बदमाश भागने लगे लेकिन एक लुटेरा गिर गया। चालक ने राहगीरों की मदद से उसे दबोच लिया और धुनाई कर उसे पुलिस को सौंप दिया। उसके दो साथी फरार हो गए।

सीकरी खुर्द, मोदीनगर निवासी चालक राजेंद गिरी ने बताया कि वह ट्रक से फरीदाबाद से पानीपत माल ले जा रहे थे। जैसे ही वह थाना मसूरी क्षेत्र में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर पहुंचे तो ट्रक को साइड में खड़ा कर लघुशंका के लिए उतर गए। वापस आए तो तीन युवक लिफ्ट लेने के बहाने आए और ट्रक में सवार हो गए। मौका पाकर तीनों बदमाशों ने हथियार के बल पर उससे मोबाइल, फोन और पर्स लूट लिया। पर्स में जरूरी कागजात और 1000 रुपये थे। पुलिस को पूछताछ में पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम युनुस निवासी कल्लूगढ़ी, मसूरी बताया। पुलिस ने आरोपी से लूटा हुआ मोबाइल फोन बरामद कर लिया। उसने फरार साथियों के नाम अजहरुद्दीन उर्फ कलर व वाहिद पुत्र आशक अली निवासी कल्लूगढ़ी बताया है। एसीपी मसूरी निमिष पाटिल का कहना है कि आरोपी के दो अन्य साथियों को भी ट्रेस किया जा रहा है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अदालत में तेंदुए का तांडव: रात ढाई बजे कोर्ट में आ गया था, थक कर सीढ़ियों पर सोया, किसने देखा सबसे पहले

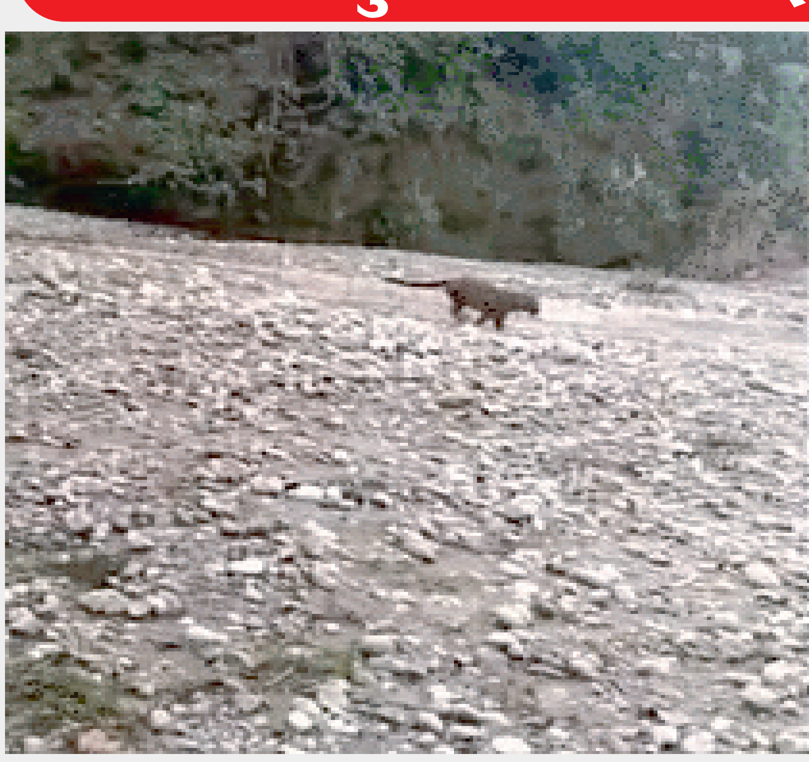

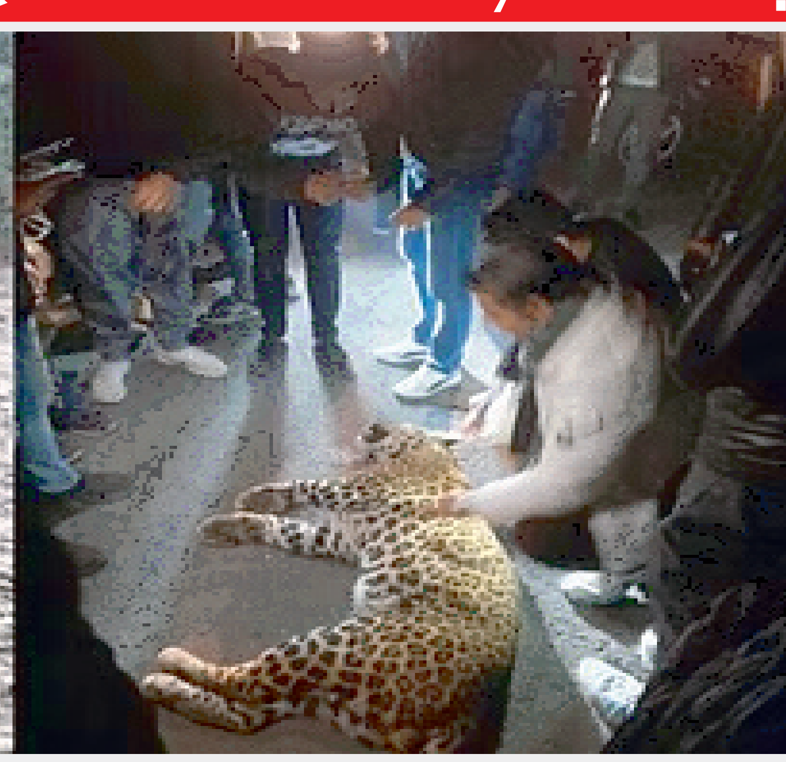

एनटीवी

तेंदुए को सबसे पहले देखने वाले अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के लिपिक राहुल वर्मा ने बताया कि सीढ़ियों पर चढ़ते समय अचानक तेंदुआ देख समझ नहीं आया कि क्या करें। वापस मुड़ने की सोच ही रहे थे कि इतने में तेंदुआ...

गाजियाबाद। गाजियाबाद जिला न्यायालय में लगे सीसीटीवी फुटेज से जानकारी मिली कि तेंदुआ अदालत में मंगलवार रात 2:30 बजे आ गया था। वह पीएसी कैंप की तरफ से सीढ़ियों पर ऊपर चढ़ता चला गया और छत पर जाने का दरवाजा बंद होने से वापस आकर तीसरे तल पर गैलरी में चक्कर लगाने के बाद फिर ऊपर सीढ़ियों पर जाकर सो गया।

बुधवार को शाम 3:58 बजे अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट में कार्यरत लिपिक और कांस्टेबल सीढ़ियों पर ऊपर गए, इस दौरान दोनों को देख तेंदुए ने छलांग लगा दी और उनके सिर के ऊपर से निकल गया। सीढ़ियों से नीचे आने के साथ ही लोगों पर हमलावर हो गया।

कोर्ट प्रबंधक मनोज कुमार मिश्रा ने बताया कि अदालत में लगे सीसीटीवी कैमरे में 2:30 बजे अदालत परिसर में आता हुई दिखाई दिया। पीएसी कैंप के सामने बनी सीढ़ियों का शटर खुला रहता है, क्योंकि हर समय वहां पर पीएसी का पहरा रहता है।

तेंदुआ पीएसी के जवानों की तरफ नहीं गया वह सीधे सीढ़ियों के रास्ते ऊपर चला गया। कोर्ट प्रबंधक ने बताया कि सीसीटीवी प्रभारी को निर्देश दिया गया है कि वह सुबह अदालत में आने के बाद रात की पूरी गतिविधि का फुटेज के माध्यम से जांच करेंगे।

समझ में नहीं आया क्या करें

तेंदुए को सबसे पहले देखने वाले अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के लिपिक राहुल वर्मा ने बताया कि सीढ़ियों पर चढ़ते समय अचानक तेंदुआ देख समझ नहीं आया कि क्या करें। वापस मुड़ने की सोच ही रहे थे कि इतने में तेंदुआ छलांग लगाते हुए सिर के ऊपर से निकल गया और तीसरे तल पर दौड़ने लगा। तेजी से भागकर हम लोग कोर्ट में घुस गए।

सहारनपुर के शिवालिक रेंज में छोड़ा गया तेंदुआ

तेंदुए को इलाज के बाद सहारनपुर के शिवालिक वन रेंज में छोड़ दिया गया। सामाजिक एवं वानिकी प्रभागीय निदेशक मनीष सिंह ने बताया कि रात में कचहरी से लाने के बाद डॉ. एके सिंह ने उसके चोट का इलाज किया। खाने के लिए दो कटे हुए मुर्गे और पानी देने के बाद पिजड़ा अंधेरे में रखा गया। रात डेढ़ बजे वह सो गया था। गुरुवार की सुबह तेंदुए को खाने के लिए दो मुर्गे दिए गए। जांच के बाद वह स्वस्थ पाया गया। शाम 4:30 बजे शिवालिक वन रेंज के तीन और डॉक्टरों ने तेंदुए की जांच की, उसके बाद उसे छोड़ दिया गया। तेंदुए को छोड़ने के दौरान वन क्षेत्राधिकारी विकास संतोरिया, डॉ. एके सिंह सहित वन विभाग के पांच अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

शरीर के कष्ट से अधिक मन में बैठा तेंदुए का डर

गाजियाबाद। तेंदुए के हमले में घायल आठ मरीजों का अभी भी अस्पताल में इलाज चल रहा है। बाकी दो घायलों को प्राथमिक चिकित्सका देकर अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। सबसे पहले घायल हुए बूट पालिश करने वाले सलीम सहित दो अधिवक्ता यशोदा में भर्ती हैं और बाकी पांच संजयनगर स्थित संयुक्त अस्पताल में भर्ती है। सभी के मन में जख्मों से अधिक तेंदुए का डर बैठा हुआ है।

मेरे साथ जो हुआ है वह मैं ही जानता हूं..

तेंदुए ने सबसे पहला जूते पॉलिश करने वाले सलीम पर हमला किया था। उसक इलाज यशोदा अस्पताल में चल रहा है। तेंदुए के हमले के बाद दो घंटे तक वह कमरे में ही फंसा रहा दो घंटे बाद जब एंबुलेंस आई तब उसको अस्पताल पहुंचाया गया। सलीम ने बताया कि कचहरी परिसर में पिछले 25 साल काम कर रहे हैं। आज तक ऐसा वाकया नहीं हुआ। परिसर में कोई सुरक्षा होनी ही चाहिए। मैं बैठा था तभी पीछे से तेंदुए ने हमला किया। मैं अभी कुछ समझ पाता तभी मेरे कान पर उसका पंजा लगा। कान पूरी तरह से कट गया है। इसके अलावा सिर में भी अंदर तक दांत गड़ा रखा है। रात भर खून निकलता रहा। डॉक्टर ने कहा है कि घाव काफी ज्यादा हैं। एक हफ्ते के बाद जब घाव सूखेगा तब टांके लगाए जाएंगे। हर कोई सोचता है कि मजाक कर रहा हूं लेकिन जो मेरे साथ हुआ है वह मैं ही जानता हूं।

अचानक हमले से कुछ समझ नहीं आया

अधिवक्ता प्रमोद कुमार तंवर भी गंभीर रुप से घायल हैं। आंख के पास गहरा घाव है इसके अलावा सिर में भी गंभीर घाव हैं। उन्होंने बताया कि जैसे ही हमने सुना कि तेंदुआ परिसर में आ गया है और कई लोगों को घायल कर चुका है तो हम लोग उसको भगाने के लिए वहां गए थे। जैसे ही हम गैलरी के आगे पहुंचे तभी वहां तेंदुआ दिखा। जैसे ही पलटे तब तक उसने हमला कर दिया। हालांकि हमने डिस्कवरी चैनल पर यह देखा भी था कि भागने वालों के पीछे तेंदुआ और तेजी से भागता है और हमला करता है लेकिन उस वक्त समझ नहीं पाए।

हाथ चबा गया तेंदुआ

अधिवक्ता जितेंद्र सिंह ने बताया कि तीसरी मंजिल पर कोर्ट में काम कर रहे थे तभी गैलरी में तेंदुआ दिखा। अफरातफरी मच गई और सभी एक कमरे में बंद हो गए। व्हाट्सएप पर जब देखा कि उसने कई लोगों को घायल कर दिया तो हम लोग कुछ स्क्रैप लेकर उसको भगाने गए थे तभी उसने हमला कर दिया। उसने सबसे पहले हमारे साथी प्रमोद तंवर पर हमला कर दिया था जिसके बाद वह जमीन पर गिर गए थे वह उनको नोंच रहा था। तभी मैंने फावड़े से तेंदुए के गर्दन पर वार कर दिया। उसने मुझ पर हमला किया और सिर में दांत गड़ा दिए।

न्यूज ब्रीफ

देखते ही देखते लोगों की पहली पसंद बन गया ये इलेक्ट्रिक स्कूटर, इसे खरीदने टूट पड़े लोग

नई दिल्ली. भारतीय बाजार में अब इलेक्ट्रिक व्हीकल ना सिर्फ लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच रहे हैं, बल्कि इनकी सेल्स के आंकड़ों में भी रिकॉर्ड ग्रोथ देखने को मिल रही है। पिछले महीने 30 अक्टूबर तक 68,234 इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की सेल्स हुई। इस तरह इसमें 29% की रिकॉर्ड मंथली ग्रोथ देखने को मिली। इस ग्रोथ से ये बात साफ है कि अब लोगों को भरोसा इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की तरफ बढ़ रहा है। पिछले 2-3 महीनों के दौरान इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर में आग लगने के मामले भी सामने नहीं आए हैं, जिससे ये भरोस मजबूत हो रहा है। पिछले महीने ओला इलेक्ट्रिक को 53% की मंथली ग्रोथ मिली।

ओला इलेक्ट्रिक ने 15095 यूनिट बेचीं

ओला इलेक्ट्रिक अक्टूबर 2022 में सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बेचने वाली कंपनी बनी। उसने बीते महीने 53% की मंथली ग्रोथ के साथ 15,095 यूनिट बेचीं। लिस्ट में दूसरे नबंर पर ओकिनावा रही। इसने 38% की मंथली ग्रोथ के साथ 11,754 यूनिट सेल कीं। तीसरे नंबर पर एम्पीयर रही। इसने 36% की मंथली ग्रोथ के साथ 8812 यूनिट बेचीं। टीवीएस मोटर्स को 31% और बजाज ऑटो को 26% की मंथली ग्रोथ मिली। जबकि एथर एनर्जी को 11% की मंथली ग्रोथ मिली।

सितंबर में भी ओला इलेक्ट्रिक रही नंबर-1

सितंबर में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की 52,957 यूनिट्स बिकीं। जबकि अगस्त में ये आंकड़ा 50,474 यूनिट्स का था। यानी हर महीने इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में ग्रोथ दिख रही है। सितंबर 2022 में ओला इलेक्ट्रिक ने 9,616 इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे। कंपनी नवरात्रि-दशहरा ऑफर के चलते अपने ई-स्कूटर पर 10 हजार रुपए का डिस्काउंट दे रही थी। जिसके चलते इसे फायदा मिला। अक्टूबर में भी फेस्टिवल ऑफर के चलते ओला इलेक्ट्रिक को फायदा मिला।

ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर के फीचर्स

3 सेकेंड में 0 से 40 km की स्पीडः ओला ने S1 स्कूटर में 8.5 किलोवॉट पीक पावर जनरेट करने वाली मोटर लगाई गई है। इस मोटर को 3.9 किलोवॉट कैपेसिटी वाली बैटरी से जोड़ा गया है। ये 0 से 40 किलोमीटर की स्पीड सिर्फ 3 सेकेंड में पकड़ लेता है। इसकी टॉप स्पीड 115 किमी प्रति घंटा है। सिंगल चार्ज पर ये 181 किमी तक की रेंज देता है। इसमें राइडिंग के लिए नॉर्मेल, स्पोर्ट और हाइपर मोड मिलते हैं।

6 घंटे में फुल चार्जः स्कूटर के साथ कंपनी 750 वॉट का पोर्टेबल चार्जर देगी। इसकी मदद से बैटरी 6 घंटे में फुल चार्ज हो जाएगी। वहीं, ओला के हाइपरचार्जर स्टेशन पर 18 मिनट में 50% बैटरी चार्ज करा सकते हैं।

रिवर्स मोड भी मिलेगाः स्कूटर में रिवर्स मोड भी मिलेगा। इसकी मदद से गाड़ी को पार्किंग में लगाने में आसानी होगी। यदि किसी चढ़ाई वाली जगह पर स्कूटर को रोकना पड़ता है, तब मोटर उसे जगह पर रोककर रखेगी। यानी राइडर को स्पीड देने या उसे मेंटेन करने की जरूरत नहीं होगी। इसमें क्रूज कंट्रोल मिलेगा, इससे स्कूटर को एक ही स्पीड में चला पाएंगे। इसके फ्रंट और रियर दोनों में डिस्क ब्रेक मिलेंगे। फ्रंट में मोनोशॉकर्स मिलेंगे।

7-इंच का डिस्प्ले मिलेगाः ओला ने इस स्कूटर में 7-इंच का टचस्क्रीन डिस्प्ले दिया है, जो मूव ऑपरेटिंग सिस्टम के साथ आता है। डिस्प्ले काफी शार्प और ब्राइट है। ये वाटर और डस्टप्रूफ है। इसमें ऑक्टा-कोर प्रोसेसर और 3GB रैम के साथ चिपसेट दिया है। ये 4G, वाईफाई और ब्लूटूथ कनेक्टिविटी को सपोर्ट करता है।

स्कूटर के साथ कोई चाबी नहीं मिलेगीः स्कूटर के साथ कंपनी चाबी नहीं दे रही है। आप इसे स्मार्टफोन ऐप और स्क्रीन की मदद से लॉक-अनलॉक कर पाएंगे। इसमें सेंसर दिए हैं, जिससे आप जैसे ही स्कूटर के पास आएंगे स्कूटर नाम के साथ हाय करेगा और दूर जाने पर नाम के साथ बाय करेगा।

स्कूटर का स्पीडोमीटर बदल पाएंगेः इसके डिस्प्ले में जो स्पीडोमीटर मिलेगा, उसमें कई तरह के फेस मिलेंगे। जैसे आप डिजिटल मीटर, पुराने गाड़ी जैसा मीटर या दूसरा फॉर्मेट चुन पाएंगे। खास बात है कि आप जैसा मीटर सिलेक्ट करेंगे स्कूटर से उसी तरह का साउंड आएगा।

चाहते हैं फैमिली के लिए सुरक्षित गाड़ी, होंडा के इस कार पर कर सकते भरोसा, सेफ्टी टेस्ट में मिले 5-स्टार

नई दिल्ली। सुरक्षित कारों की लिस्ट में होंडा की SUV भी शामिल हो गई है। हाल में होंडा WR-V SUV का ASEAN NCAP द्वारा क्रैश टेस्ट किया गया है, जिसमें एसयूवी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 5-स्टार रेटिंग हासिल किए हैं। टेस्टिंग में शामिल मॉडल Honda Sensing ADAS तकनीक के साथ RS ट्रिम था।

Honda WR-V SUV की रेटिंग

एडल्ट ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन में Honda WR-V SUV को कुल मिलाकर 27.41 अंक दिए गए हैं। चाइल्ड ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन में होंडा डब्ल्यूआर-वी एसयूवी ने डायनैमिक टेस्ट में 24 प्वाइंट, व्हीकल बेस्ड टेस्ट में 8 प्वाइंट, चाइल्ड सीट इंस्टालेशन में 10.06 प्वाइंट और चाइल्ड डिटेक्शन में 0.73 प्वाइंट हासिल किए, जिससे कुल 42.79 प्वाइंट हो गए।

Honda WR-V SUV का इंजन

भारत में बेची जाने वाली होंडा WR-V SUV में इसके सिटी मॉडल की तरह ही 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो सीवीटी गियरबॉक्स के साथ 121bhp की पावर और 145Nm का पीक टॉर्क जनरेट करता है।

फीचर्स की लंबी लिस्ट

Honda WR-V SUV के फीचर्स लिस्ट में 16-इंच अलॉय व्हील्स, ऑल-ब्लैक थीम वाला केबिन और डुअल-टोन पेंट स्कीम देखने को मिलता है। इसके अलावा, गुलर रैप अराउंड हेडलैम्प्स, बंपर के साथ एलईडी टेल-लैंप जैसे फीचर्स भी है। सेफ्टी फीचर्स के लिए इसमें छह एयरबैग, लेन कीपिंग असिस्ट, लेन डिपार्चर वार्निंग, ऑटोमेटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग और अडैप्टिव क्रूज़ कंट्रोल समेत कई फीचर्स दिए गए है।

नई SUV के लिए हो रही तैयारी

जानकारी के लिए बता दें कि इन दिनों होंडा अपनी एक नई एसयूवी पर काम कर रही है, जिसका टीजर भी जारी कर दिया गया है। अपकमिंग नई एसयूवी अमेज के प्लेटफॉर्म पर बनाई जा रही है और इसमें एक पेट्रोल और हाइब्रिड इंजन विकल्प दिया जा सकता है। लॉन्च होने के बाद Hyundai Creta, Kia Seltos, Maruti Grand Vitara, Toyota Hyryder, VW Taigun, Skoda Kushaq और MG Astor जैसी कारों से टक्कर देगी।

डेली के काम झटपट निपटाने हीरो ने लॉन्च की 2 नई इलेक्ट्रिक साइकिल

नई दिल्ली. भारतीय बाजार के इलेक्ट्रिक साइकिल सेगमेंट की सबसे बड़ी कंपनी हीरो लेक्ट्रो (Hero Lectro) ने दो नई ई-साइकिल लॉन्च की हैं। इन साइकिल के नॉडल H3 और H5 हैं। दोनों ई-साइकिल GEMTEC पावर्ड हैं। H3 की कीमत 27,499 और H5 की कीमत 28,499 रुपए है। H3 को दो कलर ऑप्शन ब्लिसफुल ब्लैक-ग्रीन और ब्लेजिंग ब्लैक-रेड में खरीद पाएंगे। वहीं, H5 को ग्रूवी ग्रीन और ग्लोरियस ग्रे कलर में खरीद सकते हैं। दोनों साइकिल की सिंगल चार्ज पर रेंज 30km तक है। हीरो लेक्ट्रो की इन न्यू इलेक्ट्रिक साइकिलों को मजबूती देने के साथ हल्का रखने के लिए GEMTEC मैटिरियल का इस्तेमाल किया गया है। इसमें एक नई राइड ज्योमेट्री और स्मार्ट फिट एर्गोनॉमिक्स मिलता है, जिसे हीरो साइकिल्स के R&D सेंटर में डिजाइन और डेवलप किया गया है। इन GEMTEC ई-साइकिलों को कंपनी की D2C वेबसाइट के साथ-साथ हीरो लेक्ट्रो के 600 से ज्यादा डीलरों के नेटवर्क, ई-कॉमर्स चैनलों से खरीद सकते हैं।

360 डिग्री कैमरा, एडजेस्टेबल सीट, 120km की रेंज; दमदार इलेक्ट्रिक स्कूटर के साथ LML की वापसी

नई दिल्ली. 90 के दशक की पॉपुलर कंपनी LML भारतीय बाजार में एक बार फिर वापसी को तैयार है। कंपनी ने बीते दिनों अपने पहले इलेक्ट्रिक स्कूटर स्टार की बुकिंग को भी ओपन कर दिया है। वो बाजार में अपनी तीन प्रोडक्ट उतारेगी। आप स्टार ई-स्कूटर को कंपनी की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर बुक कर सकते हैं। LML के मुताबिक, स्टार में एडजस्टेबल सिटिंग, एक इंटरैक्टिव स्क्रीन, एक फोटोसेंसेटिव हेडलैंप मिलेगा। साथ ही, इसमें 360 डिग्री कैमरा, हैप्टिक फीडबैक और LED लाइटिंग जैसे फीचर्स भी मिलेंगे। 90 के दशक में LML का वेस्पा स्कूटर काफी पॉपुलर रहा है। हालांकि, समय के साथ देश के अंदर LML की गाड़ियों की पॉपुलैरिटी कम हो गई थी। भारतीय बाजार में LML स्टार का मुकाबला टीवीएस आईक्यूब, बजाज चेतक, एथर, ओला इलेक्ट्रिक, ओकिनावा, प्योर ईवी, हीरो इलेक्ट्रिक जैसी कंपनियों के कई मॉडल से हो सकता है।

ज्यादा रेंज, स्पीड और टेक्नोलॉजी से लैस

कंपनी अपने इस पहले इलेक्ट्रिक स्कूटर स्टार की बुकिंग बिना किसी टोकन अमाउंट के साथ कर रही है। यानी आप बिन पैसे दिए इसकी प्री-बुकिंग कर सकते हैं। LML के MD और CEO डॉ. योगेश भाटिया ने कहा, ₹हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हमारे प्रमुख प्रोडक्ट LML स्टार के लिए बुकिंग शुरू हो गई है। हमें यकीन है कि LML स्टार हमारे ग्राहकों के इलेक्ट्रिक व्हीकल के प्रति पहले से बढ़ रहे स्नेह और अपेक्षाओं को सही ठहराएगा। हमारे प्रोडक्ट ज्यादा रेंज, अच्छी स्पीड और एडवांस टेक्नोलॉजी से लैस हैं।

LML स्टार ई-स्कूटर के फीचर्स

कंपनी के मुताबिक, स्टार इलेक्ट्रिक स्कूटर बेहतर राइडिंग एक्सपीरियंस देगा। इसमें एडजेस्टेबल सीटिंग, एक इंटरैक्टिव स्क्रीन, एक फोटोसेंसेटिव हेडलैंप मिलेगी। इसमें 360 डिग्री कैमरा, हैप्टिक फीडबैक और LED लाइटिंग जैसे फीचर्स भी मिलेंगे। स्कूटर बेहद मजबूत डिजाइन के साथ आएगा। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर के फ्रंट में ब्लैक कलर का एप्रिन दिया गया है। स्कूटर में एक 7-इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल भी दिख रहा है। इसमें ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, नेविगेशन, सहित कई दूसरे फीचर्स मिलने की उम्मीद है। अपने इलेक्ट्रिक व्हीकल की टेक्नोलॉजी और डिजाइन को डेवलप करने के लिए LML इलेक्ट्रिक ने जर्मन इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनी ईरॉकिट (eROCKIT) के साथ हाथ मिलाया है।

सिंगल चार्ज पर 120Km होगी रेंज

खबर है कि LML इलेक्ट्रिक हाइपरबाइक लॉन्च करेगी जो पैडल-असिस्ट टेक्नोलॉजी से लैस होगी। इस मोटरसाइकिल के बारे में ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है। माना जा रहा है हि जर्मन प्रोडक्ट बेस्ड यह इलेक्ट्रिक बाइक फुल चार्ज पर 120Km की रेंज देगी। इसकी इलेक्ट्रिक मोटर 20 बीएचपी की पावर जनरेट करेगी। इस हाइपरबाइक की टॉप स्पीड 90 किमी/घंटा हो सकती है। यह सभी मौसमों में सेफ्टी के साथ IP67-रेटेड बैटरी, कंट्रोल के लिए हैप्टिक फीडबैक और उन लोगों के लिए एक इन-बिल्ट GPS के साथ आता है जो अक्सर लंबी राइड करते हैं। इस इलेक्ट्रिक हाइपरबाइक की डिलीवरी जनवरी 2023 में शुरू होगी। इसके बाद कंपनी इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च करेगी और इसकी डिलीवरी अगस्त 2023 से शुरू होगी।

हाइपरबाइक क्या है?

ईरॉकिट (eROCKIT) एक पैडल-पावर्ड इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल है, जिसे हाइपरबाइक भी कहा जाता है। ये आसानी से पैडलिंग के साथ चलती है। इसकी टॉप स्पीड 90 किमी/घंटा से ज्यादा है, जो एडवांस बैटरी और इलेक्ट्रिक डायरेक्ट ड्राइव

सिर्फ ड्राइवर को सुरक्षित नहीं रखता कार का Seat Belt, जानें और क्या हैं इसके फायदे

नई दिल्ली। कार को चलाते समय सीट बेल्ट पहना अनिर्वाय होता है। अगर आप इसे नहीं पहनेंगे तो आपको कई परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। क्या आप भी सीट बेल्ट को एक सेफ्टी डिवाइस समझकर लगाते हैं अगर ह तो ये खबर आपके काम की है। आज हम आपको सीट बेल्ट लगाने के अहम महत्व बताएं जिसे पढ़कर आप असल में सीट बेल्ट के महत्व को समझ सकते हैं।

सीरियस इंजरी की संभावना कम होती है

कार चलाते वक्त अगर ड्राइवर ने सीट बेल्ट नहीं लगाई तो एक्सीडेंट के समय ड्राइवर स्टीयरिंग व्हील से टकराएगा। जिसके कारण उसे गंभीर चोट भी लग सकती है। अगर ड्राइवर सीट बेल्ट लगाकर रखेंगा तो इससे वो ऐसी स्थिति में सीट पर मौजूद रहेगा। इतना ही नहीं, सीट बेल्ट लगाकर चलने से ड्राइवर को सिर, चेहरे और गर्दन पर होने वाली इंजरी की संभावना भी कम होती है।

जुर्माने से बचें

अगर आपने सीट बेल्ट नहीं लगाया है तो आपका चालान भी कट सकता है। सेंट्रल मोटर व्हीकल रूल्स के मुताबिक , ड्राइवर के साथ -साथ पिछली सीट पर बैठे यात्रियों के लिए भी सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य हो गया है।

इंश्योरेंस क्लेम में हो सकती है दिक्क्त

कई बार ऐसा देखा गया है कि कंपनियों ने इंश्योरेंस क्लेम देने से सिर्फ इसलिए मना कर दिया क्योंकि एक्सीडेंट के समय ड्राइवर ने सीट बेल्ट नहीं पहनी थी। क्योंकि बीमा पॉलिसियों में एक सेक्शन होता है जिसमें लिखा होता है कि ड्राइवर बिना सीट बेल्ट लगाए गाड़ी चलाता है और उस दौरान उसका एक्सीडेंट हो जाता है तो बीमा कंपनी उस दौरान ड्राइवर को लगी चोट या वाहन को क्षति के लिए किसी भी नुकसान की भरपाई नहीं करेगी।

ईवी और ईंधन से चलने वाली गाड़ियों में कौन बेहतर? यहां दूर होगा आपका कन्फ्यूजन

अगर आप अपने लिए नए साल पर एक कार खरीदने की सोच रहे हैं पर ईवी और पेट्रोल कार लेने में कंफ्यूज हैं तो आज आप इन सवालों का जवाब हम लेकर आए हैं। चलिए समझते हैं इन आसान प्वाइंट्स में।

नई दिल्ली। इस समय ईवी को लेकर बहुत सारे लोगों के मन में कन्फ्यूजन है। नई गाड़ी खरीदने से पहले लोग समझ नहीं पा रहे हैं कि ईवी खरीदें या फिर ईंधन से चलने वाली कारें। इसलिए, इस खबर के माध्यम से आपको बताने जा रहे हैं इन दोनों ऑप्शन के खासियतों के बारे में, ताकि आपको अपनी ड्रीम कार खरीदने में आसानी हो और फायदा भी।

इलेक्ट्रिक कार

भारतीय बाजार में इस समय ईवी का चलन काफी तेजी से बढ़ते जा रहा है। इसके लिए सरकार भी काफी तेजी से काम कर रही है और लोगों को इसके प्रति जागरूक भी कर रही है।लेकिन इस समय मार्केट में इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमत काफी अधिक है जिसे मीडिल क्लास के लोग खरीदने में सोचते हैं। हालाकिं भारतीय बाजार में मौजूद कई बड़ी कंपनियां इस पर काम कर रही है ताकि हर कोई ईवी को खरीद सके और कई कंपनियों ने लोगों के बजट के हिसाब से भी कार निकाली है।

पेट्रोल – डीजल

लेकिन आज भी पेट्रोल डीजल की गाड़ियों का दबदबा बरकरार है। लोग इलेक्ट्रिक कारों को चार्जिंग के कारण भी नहीं खरीदते हैं क्योंकि चार्जिंग एक सबसे बड़ी समस्या है। ईवी को भविष्य माना जाता है, इसके लिए सरकार भी कई जगहों नए -नए चार्जिंग स्टेशनों को लगाने का काम भी कर रही है। इस साल हमने भारतीय बाजार में कई बड़ी इलेक्ट्रिक कारों की लॉन्चिंग देखी । जिसमें कई बड़ी कंपनियां शामिल है।

भारत में आज भी पेट्रोल डीजल की गाड़ियों को ईवी से अधिक पसंद किया जाता है। भले ही इसकी कीमत बढ़ रही है लेकिन फिर भी लोगों में इसका क्रेज बरकरार है। आम धारणा है कि अगर सस्ती कार, कम मेंटेनेंस और कम रनिंग है तो पेट्रोल कार बेस्ट ऑप्शन होती है।

संपादक की कलम से

पीएम का चुनावी जवाब

प्रधानमंत्री मोदी ने न तो कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लिया और न ही अडानी-अंबानी सरीखे 'मित्र' उद्योगपतियों को लेकर कुछ कहा। प्रधानमंत्री ने इशारों में व्यंग्य जरूर किए। बल्कि यह कहा जाए कि उन्होंने तमाम 'दाग़दार' आरोपों की परवाह ही नहीं की। उन्हें एक तरफ सरका दिया और अपनी सरकार की प्रमुख उपलब्धियों का ही बखान किया। प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार का ठीकरा कांग्रेस पर ही फोड़ा और 2004-मई, 2014 तक यूपीए सरकार के कालखंड को 'घोटालों का दशक' करार दिया। यदि प्रधानमंत्री मोदी राहुल गांधी के सवालिया आरोपों के जवाब देते, तो उससे आरोपों को ही वैधता मिलती। नतीजतन राहुल और कांग्रेस की राजनीति का एक चरण कामयाब हो सकता था। उससे आरोपों का सिलसिला भी बन सकता था और वे चुनावी मुद्दों में तबदील हो सकते थे। उस संभावित दुष्प्रचार का जवाब देते रहना, राजनीतिक तौर पर, मुश्किल होता।

अब न केवल स्पीकर ओम बिरला ने, नियमों के तहत और सबूत पेश न करने के मद्देनजर, राहुल द्वारा चस्पा किए गए आरोपों को लोकसभा के रिकॉर्ड से निकलवा दिया, बल्कि प्रधानमंत्री के भाषण को जस का तस रिकॉर्ड में दर्ज करा दिया। बहरहाल राष्ट्रपति अभिभाषण पर सदन ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित कर दिया, लेकिन विपक्ष की राजनीति में अडानी-अंबानी को लेकर प्रधानमंत्री पर जो सवाल थोपे जाते थे, वह अध्याय भी समाप्त हो गया। विपक्ष की राजनीति का एक अहम पटाक्षेप भी हो गया, क्योंकि इस मुद्दे पर विपक्ष सर्वसम्मत नहीं हो पाया। सिर्फ राहुल गांधी और कांग्रेस 2024 के आम चुनाव तक 'अडानी अध्याय' को खींचते रहेंगे। 2019 के आम चुनाव में राफेल लड़ाकू विमान सौदे के संदर्भ में, कांग्रेस अध्यक्ष के तौर पर, राहुल गांधी ने जमकर प्रचार किया था-'चौकीदार चोर है।' प्रचार और चुनाव बेहद नाकाम रहे।

संसद में इस बहस के बाद अब प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीति के दो कालखंड तय कर दिए हैं। 2004-14 के 10 साल यूपीए सरकार बनाम 2014-24 के 10 साल मोदी सरकार। इस तरह प्रधानमंत्री ने 2024 के चुनाव की आधार-भूमि भी तैयार कर दी है। उन्होंने पार्टी सांसदों, काडर और मंत्रियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि चुनाव प्रचार का फोकस सरकार के कामों और उपलब्धियों पर ही रहना चाहिए। उससे सत्ता-विरोधी लहर नहीं बनेगी। प्रधानमंत्री ने संसद में भी भरपूर विश्वास के साथ दावा किया है कि देश के 140 करोड़ लोगों के 25 करोड़ परिवार उनका सुरक्षा-कवच हैं। उसे कोई नहीं भेद सकता। जिन 81 करोड़ से ज्यादा गरीबों को मुफ्त राशन मिल रहा है, जिन्हें 3 करोड़ से अधिक पक्के घरों की छत नसीब हुई है, जिन महिलाओं के परिवारों में 11 करोड़ से ज्यादा शौचालयों के रूप में 'इज्जत घर' बनाए गए हैं, जिन करोड़ों घरों में नल से जल पहुंचना शुरू हो गया है, जिन गरीबों, पिछड़ों, आदिवासियों के गांवों में बिजली रोशन हुई है, वे मोदी पर भरोसा करेंगे या कांग्रेस पर? इसी से स्पष्ट है कि मोदी और भाजपा का चुनावी जवाब क्या है?

कश्मीर में सरकारी जमीन पर कब्जा

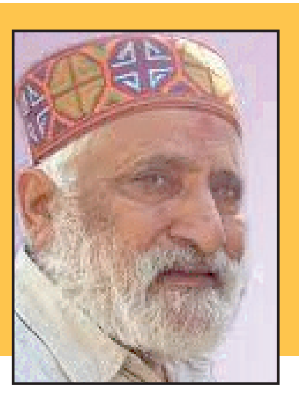

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

इसलिए गुलाम नबी का कहना है कि यदि कब्जा छुड़ाओ अभियान बंद न किया तो लोग सड़कों पर निकल आएंगे और फिर पत्थरबाजी का युग शुरू हो जाएगा। इसका अर्थ है गुलाम नबी शुरू से जानते हैं कि पत्थरबाज़ों का नियंत्रण कहां से होता है और उन्हें कब-कब मैदान में उतारना है। लेकिन इस बात से कोई इन्कार नहीं कर सकता कि आम कश्मीरी, आज तक जिसे एटीएम या अशरफ अपने हितों के लिए इस्तेमाल करता आया था, इस बार उसके हाथ का खिलौना बनने से इन्कार कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 की आड़ में इतने दशकों तक जो कुकर्म होते रहे, उसकी जैसे-जैसे परतें खुल रही हैं तैसे-तैसे कुकर्म करने वालों में बेचैनी बढ़ रही है। इन कुकर्मों की एक लंबी फेहरिस्त है। अब उसका एक नया अध्याय खुला है, जम्मू-कश्मीर की सरकारी जमीन को बाप की जमीन समझ कर उस पर कब्जा जमा लेना। पता चला है अब तक लाखों एकड़ सरकारी जमीन पर कुछ प्रभावशाली लोगों, मसलन राजनीतिज्ञों, नौकरशाहों, आतंकवादियों, हुर्रियत वालों और उनके रिश्तेदारों ने कब्जा कर लिया था। इसमें उन्हें किसी का डर भी नहीं था। सरकार भी इन्हीं की और कागज़ात भी इन्हीं के। सैंया भए कोतवाल तो फिर डर काहे का। अनुच्छेद 370 का कवच तो था ही। उसके पिछवाड़े में जो कुछ मजर्ज़ी करते रहो, कोई पूछने वाला नहीं था। लेकिन नौकरशाहों ने सुझाया होगा कि कोई हल्का सा क़ानूनी कवच भी तैयार कर लेना चाहिए ताकि भविष्य में भी कोई कब्जे में की गई सरकारी जमीन छुड़ा न सके। इसके लिए रोशनी एक्ट पास कर दिया गया। प्रतीकात्मक रूप से सैकड़ों एकड़ सरकारी जमीन के दो पैसे सरकारी खजाने में जमा करवा कर वह जमीन सरकारी रिकार्ड में भी अपने नाम करवा ली गई। इस सरकारी जमीन पर कब्जा क्या आम कश्मीरियों ने किया? जमीन पर कब्जा करने वाले हांजी, वाजा, सोफी, भंगी, हज्जाम, गिलकर, सिप्पी, गद्दी नहीं थे बल्कि कब्जा करने वाले ज़्यादातर सैयद व शेख थे।

या फिर नकली शेख थे। देसी मुसलमान कश्मीरी नहीं थे बल्कि विदेशी मूल के अशरफ थे। अजलाफ/पसमान्दा तो इस गुंडागर्दी को केवल देखने वालों में से थे। अलबत्ता अशरफों ने इस 'सरकारी जमीन कब्जाओ' मुहिम में गुज्जरों के नाम का भी दुरुपयोग किया और कई स्थानों पर उनके नाम से भी सरकारी जमीन हड़प ली। लेकिन जैसे कि कहा गया है, सब दिन रहत न एक समान। 2019 में अनुच्छेद 370 का कवच टूट गया। कुछ दिन बाद जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय ने रोशनी एक्ट का कवच भी तार-तार कर दिया। तब कश्मीर के नेताओं का कब्जा अभियान दिन की रोशनी में नंगे चिट्टे रूप में दिखाई देने लगा। सरकार ने

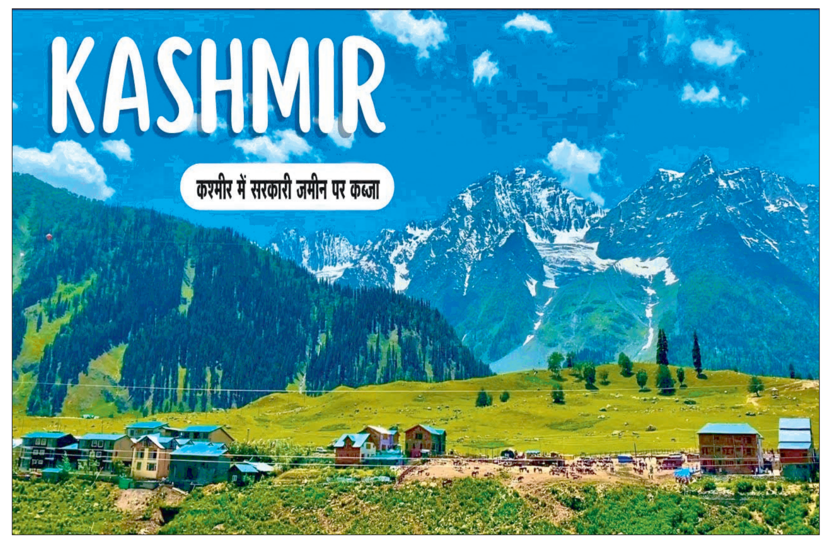

इन महानुभावों से सरकारी जमीन छुड़ाने का अभियान शुरू कर दिया। अब तक 'सरकारी जमीन कब्जाओ' अभियान चल रहा था, अब अचानक 'सरकारी जमीन छुड़ाओ' अभियान शुरू हो गया। लेकिन अब तक तो सरकारी जमीन पर चार-चार मंजिल के महल बन चुके थे। मार्केट बन चुकी थीं। पहले तो आम कश्मीरी ने सोचा कि फालतू का हो-हल्ला सरकार कर रही है। अब तक अजलाफ/पसमान्दा के नाम पर अपना घर भरते रहे अशरफ समाज के ख्वाजाओं पर कार्रवाई करने की हिम्मत किसी में भी नहीं है। दरअसल आम कश्मीरी का यह सोचना भी सही था। पिछले सत्तर साल से सत्ता पर प्रत्यक्ष या परोक्ष कब्जा उन्हीं का रहा था जिन्होंने सरकारी जमीन कब्जा रखी थी। लेकिन जब सरकारी बुलडोज़र अवैध कब्जे वाली इमारतों को गिराने लगे तो आम कश्मीरी का विश्वास भी प्रशासन पर जमने लगा। पता चला है कि अब तक प्रशासन ने दो करोड़ एकड़ सरकारी जमीन इन 'माननीय' लोगों के कब्जे से छुड़ा ली है। कब्जा करने वालों में कई पूर्व मंत्री, विधायक और नौकरशाह भी हैं।

ऐसा नहीं कि ये किसी एक राजनीतिक दल या किसी एक आतंकवादी संगठन के लोग ही थे। इसमें लगभग सभी राजनीतिक दलों के लोग शामिल हैं। चुनाव में आपस में लड़ते हैं, लेकिन सरकारी जमीन कब्जाने में सांझा मोर्चा बना कर काम करते हैं। कुछ ने तो हवा का रुख़ पहचान कर स्वयं ही सरकारी जमीन सरकार को वापस करनी शुरू कर दी है। सरकार के कब्जा छुड़ाओ अभियान के विरोध में सभी गुपकार मोर्चा बना रहे हैं। उमर अब्दुल्ला मानते हैं कि कश्मीर में उस मामले में केवल मुसलमानों पर शिकंजा कसा जा रहा है। वैसे पूछा जा सकता है कि कश्मीर में हिंदू-सिख बचे ही कहां हैं। लेकिन उमर अब्दुल्ला जान बूझ कर इसे मुसलमानों से जोड़ रहे हैं। जबकि असलियत यह है कि घाटी के 98 फीसदी देसी मुसलमानों सा अजलाफ/पसमान्दा का इससे कुछ लेना-देना नहीं है। यह कब्जा एटीएम (अरब-तुर्क-मुगल मंगोल) वालों का है। अलबत्ता इसमें कुछ ऐसे देसी मुसलमान जरूर शामिल हैं जो देसी होते हुए भी अरबी टाईटल शेख/सैयद इत्यादि का प्रयोग करते हैं। वे भी एटीएम के साथ मिल कर कब्जा अभियान का हिस्सा बन गए थे। उमर अब्दुल्ला इसे बख़ूबी जानते हैं लेकिन संकट की इस घड़ी में एक बार फिर कश्मीर के देसी मुसलमानों को वे कवच की तरह इस्तेमाल करना चाहते हैं, जैसा कि वे अब तक करते आए हैं। वे जीतते देसी कश्मीरी मुसलमानों की वोट से हैं और रक्षा अशरफ के आर्थिक व सामाजिक हितों की करते हैं। महबूबा मुफ़्ती का कष्ट और गहरा है। वे समझ चुकी हैं कि जिन्होंने सरकारी जमीन पर कब्जा किया है, वे ज़्यादातर उसी के राजनीतिक व सामाजिक कुनबे के लोग हैं। इसलिए वे चिल्ला रही हैं कि कश्मीर को अफगानिस्तान की तरह नष्ट किया जा रहा है। महबूबा जानती हैं कि अफगानिस्तान को पूर्व काल में अरबों और तुर्कों ने नष्ट किया था और आधुनिक काल में गोरों और रूसियों ने नष्ट किया है। भारत ने अफगानिस्तान को कभी नष्ट नहीं किया बल्कि हर संकट में पश्तूनों की सहायता ही की है। महबूबा मुफ़्ती क्या बताएंगी कि उनकी बिरादरी आज भी पठान को अशरफ का हिस्सा क्यों नहीं मानती? महबूबा 'कब्जा छुड़ाओ अभियान' का विरोध करने के लिए अपनी बिरादरी को लेकर दिल्ली पहुंच गईं। उसका कहना था कि वे संसद को सुनाना चाहती थीं कि हमसे सरकारी जमीन से कब्जा नहीं छुड़ाना चाहिए। यह बहुत बड़ा अत्याचार है। वैसे महबूबा इतना तो जानती ही हैं कि संसद के अंदर जाकर बात करने के लिए पहले हिंदुस्तान के किसी भी इलाके से चुन कर आना पड़ता है। लेकिन वे बिना चुने ही संसद को कुछ सुनाना चाहती हैं। अभी कांग्रेस से छिटक कर गए गुलाम नबी आज़ाद, जिन्होंने अपनी ख़ुद की पार्टी डेमोक्रेटिक आज़ाद पार्टी बना ली है, का कहना है कि बहुत से कब्जाधारी राजस्व विभाग के कर्मचारियों को रिश्वत दे रहे हैं कि उनका नाम किसी तरह से कब्जाधारियों की लिस्ट में से निकाल दिया जाए। इसका अर्थ हुआ कि गुलाम नबी ने यह तो स्वीकार कर लिया है कि प्रदेश में सरकारी जमीन पर कब्जा बड़े स्तर पर हुआ है। लेकिन मामला फिर वहीं का वहीं है कि उस हमाम में सभी नंगे हैं। इसलिए गुलाम नबी का कहना है कि यदि कब्जा छुड़ाओ अभियान बंद न किया तो लोग सडकों पर निकल आएंगे और फिर पत्थरबाज़ी का युग शुरू हो जाएगा। इसका अर्थ है गुलाम नबी शुरू से जानते हैं कि पत्थरबाज़ों का नियंत्रण कहां से होता है और उन्हें कब-कब मैदान में उतारना है। लेकिन इस बात से कोई इन्कार नहीं कर सकता कि आम कश्मीरी, आज तक जिसे एटीएम या अशरफ अपने हितों के लिए इस्तेमाल करता आया था, इस बार उसके हाथ का खिलौना बनने से इन्कार कर रहे हैं। मुफ्तियों और शेखों की चिंता का विषय यही है। असली जमीन तो छिन ही रही है, उसके साथ-साथ राजनीतिक जमीन भी खिसकने लगी है।

10 फरवरी की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1495 – इंग्लैंड में सर विलियम स्टैनली को मौत के घाट उतार दिया गया। 1616 – ब्रिटेन के राजदूत सर थॉमस रो मुग़ल शासक जहांगीर के दरबार अजमेर में आये। 1763 – पेरिस संधि के तहत फ्रांस ने कनाडा ब्रिटेन को दे दिया। पेरिस की संधि से फ्रांसीसी – भारतीय युद्ध की समाप्ति। 1811 – रूसी सैनिकों ने बेलग्रेड पर कब्ज़ा किया। 1817 – ब्रिटेन, प्रसिया, आस्ट्रिया और रूस ने फ्रांस से अपनी फ़ौजें हटाने की घोषणा की। 1818 – अंग्रेजों तथा मराठा के बीच तीसरा तथा अंतिम युद्ध रामपुर में लड़ा गया। 1828 – दक्षिण अमेरिकी क्रान्तिकारी साइमन बोलिवार कोलंबिया के शासक बने। 1846 – अंग्रेजों ने सोबरांव की लड़ाई में सिखों को पराजित किया। 1848 – फर्नीनांड प्रथम ने नया संविधान लागू किया। 1879 – अमेरिका के कैलिफोर्निया थियेटर में पहली बार रोशनी के लिए बिजली का इस्तेमाल किया गया। 1890 – रूसी लेखक बोरिस पेस्टरनाक का जन्म। 1904 – जापान तथा रूस ने युद्ध की घोषणा की। 1912 – ब्रिटेन के किंग जार्ज पंचम तथा क्वीन मैरी भारत से रवाना। 1916 – ब्रिटेन में सैन्य भर्ती शुरू हुआ। 1918 – सोवियत नेता लियो ट्रोटस्की ने रूस के प्रथम विश्व युद्ध से हटने की घोषणा की। 1921 – काशी विद्यापीठ का उद्घाटन गांधी जी ने किया। ड्यूक ऑफ़ कनॉट ने इंडिया गेट की नींव रखी। 1929 – जे.आर.डी. टाटा पायलट लाइसेंस पाने वाले पहले भारतीय बने। 1931 – दिल्ली भारत की राजधानी बनी। 1933 – जर्मनी के तानाशाह हिटलर ने मार्क्सवाद के समाप्त होने की घोषणा की। 1939 – जापानी सैनिकों ने हेनान द्वीप, चीन पर अधिकार कर लिया। 1947 – नीदरलैंडस रेडियो यूनियन की स्थापना। 1943 – द्वितीय विश्वयुद्ध में ब्रिटिश सैनिक टयूनिशिया की सीमा पर पहुँचे। 1959 – अमेरिका के सेंट लुईस में तूफान से 19 की मौत 265 घायल। 1961 – अमेरिका ने वेस्टइंडीज में अनेक स्थानों पर अपना दावा छोड़ा। कनाडा में नियाग्रा जल प्रपात की पनबिजली परियोजना से बिजली का उत्पादन शुरू। 1966 – यूरोपीय देश बेल्जियम में हारमेल की सरकार ने इस्तीफ़ा दिया। 1969 – पश्चिम बर्लिन यात्रा पर जर्मन प्रतिबंध को अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस ने अस्वीकार कर दिया। 1972 – सोवियत संघ ने पूर्वी कजाखस्तान में परमाणु परीक्षण किया। 1974 – इराक ने सीमा संघर्ष में 70 ईरानी सैनिकों को मारने का दावा किया। 1979 – ईटानगर को अरुणाचल प्रदेश की राजधानी बनाया गया। 1981 – खगोलविद राय पैंथर द्वारा धूमकेतु की खोज। 1984 – सोवियत राष्ट्रपति यूरी आंद्रोपोव का देहांत। 1989 – अमेरिका ने नवादा परीक्षण–स्थल पर परमाणु परीक्षण किया। 1991 – पेरू में हैजे से 51 लोगों की मौत। सोवियत संघ से आजादी के लिए यूरोपीय देश लिथुआनिया में मतदान।

क्षेत्रीय दलों से कांग्रेस गठजोड़ आसान नहीं

पूर्व की कांग्रेस गठबंधन सरकार में क्षेत्रीय दलों ने मनमानी करके कांग्रेस की जमकर फजीहत कराई थी। टू जी स्पैक्ट्रम सहित दूसरे घोटालों में क्षेत्रीय दलों ने कांग्रेस की काफी किरकिरी कराई। इनकी खींचतान और अराजकता का खामियाजा कांग्रेस आज तक भुगत रही है। भाजपा ने कांग्रेस शासन के दौरान हुए भ्रष्टाचार को अभी तक मुद्दा बनाए रखा है। भाजपा ने ऐसे ही अन्य मुद्दों पर कांग्रेस को घेरने में कसर बाकी नहीं रखी। सत्ता में आने के बावजूद क्षेत्रीय दलों को मनमानी करने से रोकने की ताकत कांग्रेस में नहीं होगी'

बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने खुद को प्रधानमंत्री की दावेदारी से अलग कर लिया। राहुल के लिए नीतिश ने कहा कि यदि राहुल का नाम प्रधानमंत्री के लिए आगे आता है तो उन्हें कोई ऐतराज नहीं है। सवाल यह है कि नीतिश कुमार ने तो मान लिया पर क्या सारे विपक्षी दल राहुल गांधी को आगामी लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री पद का अपना संयुक्त उम्मीदवार बनाने पर सहमत हो सकते हैं। राहुल गांधी ने भी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान परोक्ष तौर पर ऐसी ही मंशा जाहिर की थी। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान विपक्षी दलों से एकजुटता का आह्वान किया। इस आह्वान के पीछे राहुल गांधी की मंशा आगामी लोकसभा चुनाव में संयुक्त विपक्षी दल के प्रधानमंत्री के तौर पर अपनी उम्मीदवारी पेश करना है। प्रधानमंत्री की दावेदारी के लिए राहुल गांधी ने स्पष्ट तौर पर बेशक कुछ नहीं कहा किन्तु उनके बयान से उनकी दबी हुई मंशा साफ जाहिर होती है। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस ही एकमात्र पार्टी है जिसका देशव्यापी नेटवर्क है। समाजवादी पार्टी का नाम लेते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि क्या इस पार्टी की पॉलिसी केरल-कर्नाटक में लागू होती है। उन्होंने कहा कि केवल कांग्रेस ही एकमात्र पार्टी है, जिसकी राष्ट्रव्यापी नीतियां और नेटवर्क है। नीतिश कुमार ने प्रधानमंत्री पद की दावेदारी से खुद को अलग कर लिया हो लेकिन दूसरे क्षेत्रीय दलों ने अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं।

क्षेत्रीय दलों के लिए राहुल की स्वीकार्यता आसान नहीं है। विपक्षी दलों का यह प्रयास यदि सफल हो भी जाता है, तब भी इसकी हालत भानुमति के कुनबे जैसी होगी। इन दलों के प्रमुखों का ख्वाब भी प्रधानमंत्री की दावेदारी का है। विपक्षी दलों की तस्वीर अभी स्पष्ट नहीं है। यही वजह है कि नीतिश के अलावा किसी भी क्षेत्रीय दल ने अभी तक राहुल गांधी के नाम को आगे नहीं बढ़ाया है। राहुल की भारत जोड़ो यात्रा से क्षेत्रीय दलों ने दूरी बनाए रखी। हर दल के प्रमुख ने कोई न कोई बहाना बना कर राहुल और कांग्रेस को इस यात्रा का श्रेय देने से बचने का प्रयास किया। मुद्दा यह नहीं है कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनने का ख्वाब देख रहे हैं। सवाल यह है कि कांग्रेस लोकसभा चुनाव में कैसा प्रदर्शन कर पाती है। लोकसभा में मिलने वाली सीटों पर ही कांग्रेस की दावेदारी को दम मिलेगा। इसके लिए कांग्रेस को सिर्फ प्रतिद्वन्द्वी भारतीय जनता पार्टी से ही नहीं बल्कि विपक्षी दलों से भी जूझना होगा। कांग्रेस का सीटों के बंटवारे को लेकर गैरभाजपा दलों से गठबंधन आसान नहीं है। विपक्षी दलों में यदि कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभर कर आती है, तभी राहुल गांधी की पीएम बनने की दावेदारी में कुछ दम हो सकता है। इससे विपक्षी दलों पर राहुल गांधी की दावेदारी का दवाब बढ़ जाएगा। फिर भी क्षेत्रीय पार्टियां आसानी से राहुल की दावेदारी को पचा नहीं पाएंगी। राहुल गांधी की पीएम पद की दावेदारी से पहले कांग्रेस के सामने कई बड़ी चुनौतियां हैं। इनसे पार पाना भी कांग्रेस के लिए लोहे के चने चबाने जैसा है।

सीपीएस के बढ़ते दायरे

सरकार की ताजपोशी में मौजूद खनक का एक इम्तिहान इस बार जरूर मुख्य संसदीय सचिवों की भूमिका के साथ जुड़ गया है। यह कांग्रेस से छह विधायकों के दायित्व को स्तरोन्नत करते हुए भी कानूनी वैधता के प्रश्न पर संयम बरत रहा है और इसीलिए बाकायदा नोटिफिकेशन से सरकार ने अपनी मर्यादा का उल्लेख किया है। यानी ये छह पद एक तरह से सरकार के सलाहकार बोर्ड की तरह हैं, जो कमोबेश इसी भूमिका में फर्ज निभाते और सरकारी फाइल को रक्षा कवच पहनाते हुए एक सेतु तैयार करेंगे। इस सेतु पर मंत्री और सचिवालय तथा मंत्री और मुख्यमंत्री कार्यालय के बीच सहमति का सार्थक पथ निर्मित करने का प्रयास हो रहा है। जाहिर तौर पर सचिवालय की कार्यक्षमता व दक्षता में सलाह की एक सक्रिय परत बैठाई जा रही है। मुख्य संसदीय सचिवों के पद पर स्पष्टता से मंथन करके ही इनके औचित्य का जायज पक्ष सामने आएगा, लेकिन यह जरूरी है कि मुख्यमंत्री कार्यालय से संचालित सलाहकारों के जरिए विभागीय सोच में परिवर्तन लाया जाए। इसी परिप्रेक्ष्य में मुख्य संसदीय सचिवों को आवंटित कार्य क्षेत्र का विवेचन होगा।

फिलहाल अर्की के विधायक संजय अवस्थी मुख्यमंत्री कार्यालय के साथ पीडब्ल्यूडी व स्वास्थ्य मंत्रालयों के साथ तालमेल करेंगे, जबकि सीपीएस सुंदर ठाकुर वन, ऊर्जा व पर्यटन के दायित्व में मुख्यमंत्री के साथ संबद्ध हैं। इसी तरह निकट भविष्य में जब मुख्य संसदीय सचिव आशीष बुटेल, किशोरी लाल, मोहन लाल ब्राक्टा और राम कुमार के साथ विभागीय आवंटन सामने आएगा, तो स्थिति और स्पष्ट होगी। इसी के साथ एक तीसरी परत भी सामने आएगी, जब विभागीय निर्णयों के साथ संबंधित बोर्ड, निगम व फेडरेशन के प्रभारी अपना काम शुरू करेंगे। कहना न होगा कि सरकार के भीतर कार्यों के बंटवारे में दायरे और दृष्टि को और स्पष्ट करने की जरूरत को पूरा किया जा रहा है। देखना यह होगा कि विधायक बतौर मुख्य संसदीय सचिव पूरे प्रदेश की छवि में खुद को कैसे निरूपित करते हैं। मुख्यमंत्री ने मुख्य संसदीय सचिवों के जरिए हिमाचली विकास का समन्वित स्वरूप देखना शुरू किया है और इस तरह मंत्री की फाइल पर पूरे हिमाचल के नजरिए का रेखांकन हो सकता है। बेशक पहली बार सीपीएस को सजावटी भूमिका से आगे बढ़ाकर शासकीय पद्धति की अहम कड़ी बनाया जा रहा है और यह अपनी तरह का अनूठा प्रयोग होगा, जो मुख्यमंत्री की कमान को सशक्त करेगा। ऐसे में कल जब बोर्ड-निगमों के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष सामने आएंगे, तो सरकार की अगली पेशकश में ऐसा ही कुछ प्रभावशाली तालमेल वांछित है। कहना न होगा कि सुखविंदर सिंह सुक्खू अपनी सरकार की कसौटियां तय करते हुए प्रशासनिक और शासकीय ढांचे में कसाव लाने की तरफ इशारा कर रहे हैं। भविष्य में सीपीएस के पास सरकारी प्राथमिकताओं की फाइल अगर मंत्रियों से पहले जाएगी, तो इसके मायने या तो पारदर्शी हो जाएंगे या मुख्यमंत्री कार्यालय के बिना सरकार का कोई पात्र, कोई भी पत्ता नहीं हिला पाएगा। जाहिर है इससे छह मुख्य संसदीय सचिवों का रुतबा, उनके अनुभव को पारंगत करेगा तथा आने वाले समय में सरकार की भूमिका में उनके लिए एक सीढ़ी जैसा आरोहण तय है। ये तमाम सीपीएस कमोबेश युवा हैं और इस तरह सरकार की रोशनी में मुख्यमंत्री युवा ऊर्जा का अधिकतम प्रयोग करने की स्थिति में रहेंगे। यहां मुख्यमंत्री कार्यालय के साथ जुड़े सीपीएस संजय अवस्थी की पहचान में संदेश अगर स्पष्ट है, तो आने वाले समय में किसी भी विभाग की प्रगति को समझने के साथ-साथ संबंधित सीपीएस का महत्त्व भी अलंकृत होगा।

यह वक्त की जरूरत के साथ-साथ राजनीतिक आवश्यकता भी रही है कि हर विभाग की दृष्टि में प्रदेश का समग्र विकास हो, लेकिन अब तक मंत्रियों व मुख्यमंत्रियों के विधानसभा क्षेत्र ही इनके रुतबे में लाभान्वित होते रहे हैं। इसलिए क्षेत्रीय आधार पर मंत्री बनाने की ख्वाहिश के साथ सत्ता लाभ के स्वर ऊंचे होते रहे हैं। सीपीएस संजय अवस्थी ने पदभार संभालने के बाद शिमला से कार्यालयों के दबाव घटाने संबंधी बयान देकर एक दृष्टिकोण रखा है। इसे अगर सरकार के फलक पर समझा जाए, तो इससे पहले भी यही प्रयोग वीरभद्र सिंह के दौर में शुरू हुआ था और जिसके बदौलत कई महत्त्वपूर्ण कार्यालय जिला मुख्यालयों में स्थानांतरित किए गए थे। राजधानी शिमला का विकास एनसीआर की तर्ज पर स्टेट कैपिटल रिजन के तहत होना चाहिए ताकि बीस से तीस किलोमीटर के दायरे तक भविष्य को संबोधित करते हुए रोडमैप तैयार किया जा सके। इसी तरह हर सीपीएस की भूमिका में उभरते लक्ष्य अगर प्रदेश की समग्रता में अपना योगदान करेंगे, तो परिवर्तन आएगा जरूर।

अकादमियों के लिए धन का प्रावधान हो

भूपिंदर सिंह

कबड्डी में साई प्रशिक्षकों में नंदलाल ठाकुर व जयपाल चंदेल ने अपने-अपने कार्यकाल में अच्छा प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया है। एथलेटिक्स में स्वर्गीय बलदेव सिंह, जीआर मेहता व स्वर्गीय सतीश कुमार ने यहां से अच्छे धावक व धाविकाओं को प्रशिक्षित कर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर का सफर तय करवाया है।

अकादमियों के लिए बजटीय प्रावधान हो'

बजट 2023-24 में सरकार प्रतिभा व सुविधा के अनुसार हिमाचल प्रदेश के विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में भी खेल विंग, स्कूलों में और अधिक खेलों के लिए छात्रावास तथा जिला व उपमंडल स्तर पर खेल अकादमियां खोलती है तो भविष्य में हिमाचल के खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। हिमाचल प्रदेश के कई महाविद्यालयों के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर का खेल ढांचा तैयार खड़ा यूं ही बेकार हो रहा है। इस कॉलम के माध्यम से पहले भी इस विषय पर बहुत बार लिखा जा चुका है, मगर सरकार का रवैया उदासीन रहा है। खेल विंगों के लिए सरकार को न तो खेल ढांचा खड़ा करना पड़ता है और न ही नया छात्रावास बनाना पड़ता है। केवल खेल विशेष का प्रशिक्षक और खिलाड़ियों के लिए खुराक व रहने का प्रबंध करना होता है जो आसानी से बहुत कम धन राशि खर्च करके हो सकता है।

हिमाचल प्रदेश में विभिन्न खेलों का स्तर राज्य में खेल छात्रावासों के खुलने के बाद काफी सुधरा है। स्कूली स्तर पर खेल छात्रावासों को आज से तीन दशक पहले शुरू कर दिया गया था। पपरोला का बास्केटबॉल खेल छात्रावास तत्कालीन भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रशिक्षक जन्म चंद कटोच के प्रशिक्षण में काफी फला-फूला था। स्कूली स्तर पर एशियाई प्रतियोगिता में कई खिलाडियों ने शिरकत की थी। सुरेश व सुरजीत जैसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी इसी प्रशिक्षण की देन हैं। हाकी में माजरा स्कूली खेल छात्रावास की लड़कियों ने पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय स्कूली खेलों में हिमाचल प्रदेश को पदक तालिका में स्थान दिलाया है। इन लड़कियों को एस्ट्रोटर्फ मिलें तो यहां से और भी अच्छे परिणाम आ सकते हैं। क्या इस खेल छात्रावास को फिडिंग रख कर अच्छे खिलाडियों को एस्ट्रोटर्फ पर प्रशिक्षण के लिए ऊना में एक और नया स्कूल स्तर पर लडक़े व लड़कियों के लिए छात्रावास जल्द ही हिमाचल प्रदेश के शिक्षा विभाग को खोलना चाहिए। हिमाचल प्रदेश के स्कूली लडक़ों ने भी कुछ वर्ष पहले अंडर 17 वर्ष आयु वर्ग में हिमाचल प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर रजत पदक हासिल किया था। स्कूल स्तर की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिमाचल प्रदेश का प्रदर्शन सम्मानजनक खेल छात्रावासों के कारण रहता है। हिमाचल प्रदेश में स्कूली स्तर पर पपरोला में लडक़ों के लिए बास्केटबॉल, सुंदरनगर व नादौन में लडक़ों की हाकी, माजरा में लड़कियों के लिए हाकी में खेल छात्रावास चल रहे हैं। वालीबाल में स्कूली स्तर पर प्रशिक्षण का अच्छा प्रबंध है। मतियाणा व रोहड़ू में लडक़ों को तथा कोटखाई में लड़कियों के लिए खेल छात्रावासों को वर्षों पहले से शुरू किया गया है। रोहड़ू में फुटबॉल का भी खेल छात्रावास है।

इन छात्रावासों में अच्छे प्रशिक्षकों के साथ-साथ खेल सुविधाओं में काफी सुधार की जरूरत है। हिमाचल प्रदेश में भारतीय खेल प्राधिकरण ने तीस वर्ष पहले शिलारू में विशेष खेल क्षेत्र योजना के अंतर्गत खेल छात्रावास शुरू किया था जो राष्ट्रीय स्तर पर अच्छे परिणाम देने के बावजूद बंद हो गया था। उसी समय बिलासपुर व धर्मशाला में भारतीय खेल प्राधिकरण ने खेल छात्रावासों की शुरुआत की और ये आज तक चल रहे हैं। बिलासपुर में साई के तत्कालीन वालीबाल प्रशिक्षक स्वर्गीय एनके शर्मा ने बंगाणा क्षेत्र के सुरजीत सहित कई अंतरराष्ट्रीय खिलाडियों को तराश कर भविष्य के लिए उदाहरण प्रस्तुत किया है। कबड्डी में साई प्रशिक्षकों में नंदलाल ठाकुर व जयपाल चंदेल ने अपने-अपने कार्यकाल में अच्छा प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया है। एथलेटिक्स में स्वर्गीय बलदेव सिंह, जीआर मेहता व स्वर्गीय सतीश कुमार ने यहां से अच्छे धावक व धाविकाओं को प्रशिक्षित कर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर का सफर तय करवाया है। अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी पदमश्री व अर्जुन अवार्ड से सम्मानित अजय ठाकुर व धावक अमन सैनी बिलासपुर साई खेल छात्रावास की देन हैं। धर्मशाला खेल छात्रावास से साई प्रशिक्षक मेहर चंद वर्मा ने कबड्डी में पूजा ठाकुर व कविता ठाकुर को एशियायी खेलों के स्वर्ण पदक विजेता टीम का सदस्य बनने का सफर अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम से पूरा करवाया है। एथलीट प्रशिक्षक केहर सिंह पटियाल का प्रशिक्षण कार्यक्रम भी काफी सफल रहा है। धाविका सीमा ने यूथ एशिया स्तर पर कांस्य पदक जीता तथा यूथ ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। हिमाचल प्रदेश सरकार ने भी बिलासपुर व ऊना में विभिन्न खेलों के लिए छात्रावास चलाए हैं। बिलासपुर से महिला कबड्डी में पहले स्वर्गीय दौलत व उसके बाद रतन ठाकुर ने अच्छा प्रशिक्षण कार्यक्रम चला कर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक अच्छे परिणाम दिए हैं। एशिया स्तर पर पदक विजेता प्रियंका व रितू नेगी सहित कई महिला खिलाडियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। ऊना का राज्य खेल छात्रावास वह खेल परिणाम अभी तक नहीं दे पाया है जिसकी इससे अपेक्षा है। निजी स्तर पर नब्बे के दशक से सुंदरनगर में मुक्केबाजी तथा हमीरपुर में जूडो व एथलेटिक्स पर प्रशिक्षण कार्यक्रम जो शुरू हुआ था, उसी से मुक्केबाजी में परशुराम अवार्ड से सम्मानित शिव चौधरी व आशीष चौधरी के लिए आधार प्रशिक्षक नरेश कुमार ने तैयार किया। हमीरपुर से जूडो में परशुराम अवार्डी नूतन को प्रशिक्षक कुलदीप शर्मा ने तराशा था। हमीरपुर के एथलेटिक्स प्रशिक्षण कार्यक्रम से परशुराम अवार्डी पुष्पा ठाकुर ने तेज गति की दौड़ों में व संजो ठाकुर ने भाला प्रक्षेपण में राष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल प्रदेश को पहचान दिलाई तथा इस महाविद्यालय की चार महिला एथलीट 2010 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए लगे इंडिया कैम्प तक सीधी अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में विजेता बन कर चयनित हुई थीं।

ब्रीफ न्यूज

दुनिया की हर मर्सिडीज कार का है भारत के साथ नाता, जानिए कंपनी के चेयरमैन ने क्यों कहा ऐसा!

लग्जरी कार बनाने वाली जर्मनी की कंपनी मर्सिडीज बेंज ने पिछले साल भारत में 15,822 गाड़ियां बेची थीं। कंपनी के चेयरमैन और सीईओ ओला कैलेनियस का कहना है कि कार इंडस्ट्री के लिए भारत बहुत अहम है। इसका भविष्य पूरी तरह भारत पर टिका है। इसमें अगले फेज का ग्रोथ और इनोवेशन भारत से आएगा।

नई दिल्ली: ऑटो सेक्टर (Auto Sector) में भारत की ताकत लगातार बढ़ रही है। भारत में बनी गाड़ियां दुनियाभर में धूम मचा रही हैं। साथ ही भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटो मार्केट बन गया है। उसने हाल में जापान को पछाड़कर यह मुकाम हासिल किया है। यही वजह है कि दुनिया की दिग्गज ऑटो कंपनियां भारत पर बड़ा दांव खेलने की तैयारी में हैं। जर्मनी की दिग्गज ऑटो कंडपनी मर्सिडीज बेंज के बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के चेयरमैन और सीईओ ओला कैलेनियस (Ola Kallenius) का कहना है कि दुनिया की कार इंडस्ट्री का भविष्य भारत पर टिका है। उन्होंने कहा कि भारत में जो टेक्नोलॉजी विकसित की जा रही है, उसका दुनियाभर में इस्तेमाल हो रहा है। दुनिया में जहां कहीं भी मर्सिडीज की कारें बिक रही हैं, उनमें भारत का टच है। मर्सिडीज की पहले गैर-जर्मन सीईओ और चेयरमैन कैलेनियस ने टाइम्स ऑफ इंडिया के साथ इंटरव्यू में कहा कि कार इंडस्ट्री में अगले फेज की ग्रोथ और इनोवेशन के लिए भारत सबसे अहम है। कार इंडस्ट्री भविष्य भारत पर टिका है। उन्होंने कहा कि मर्सिडीज के लिए भारत दुनियाभर में सबसे तेजी से बढ़ रहे बाजारों में से एक है। मर्सिडीज भारत में प्रीमियम कार बनाने की शुरुआत करने वाली पहली कंपनी थी। भारत में पिछले साल करीब 38 लाख कारें बिकीं। इनमें से एक फीसदी अपर-प्रीमियम कैटगरी की कारें थीं। इस सेगमेंट में मर्सिडीज लीडर है। भारत लगातार समृद्ध हो रहा है और भविष्य भारत का है। इसका फायदा मर्सिडीज को भी मिलेगा।

हर तरफ भारत का जलवा

बेंगलूरु में मर्सिडीज का इनोवेशन सेंटर है। इसके बारे में कैलेनियस ने कहा कि कंपनी की कई नई टेक्नोलॉजी बेंगलूरु में डिजाइन की गई है। वहां शानदार काम हो रहा है। 26 साल पहले जब हमने भारत में एंट्री मारी थी तब ऑटो इंडस्ट्री में भारत का ज्यादा नाम नहीं था। अब हमारा भारत से गहरा नाता जुड़ गया है। यहां विकसित की जा रही टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल दुनियाभर में हमारी गाड़ियों में हो रहा है। बेंगलूरु सेंटर की हमारे लिए कितनी अहमियत है, इसे इस बात से समझा जा सकता है कि दुनियाभर में कहीं भी बिकने वाली गाड़ी में आपको भारत का टच मिलेगा। यह पूछने पर कि वह दुनिया की सबसे मूल्यवान ऑटो कंपनी टेस्ला (Tesla) के मालिक एलन मस्क (Elon Musk) के बारे में क्या सोचते हैं, कैलेनियस ने कहा कि वह दूसरे लोगों पर टिप्पणी नहीं करते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह एक विजिनरी हैं और उन्होंने ऑटो इंडस्ट्री में बदलाव की रफ्तार तेज की है। इसमें कोई दोराय नहीं है कि भविष्य इलेक्ट्रिक कारों का है। इसलिए 2019 में हमने इस दिशा में काम करना शुरू किया था। साल 2025 के बाद हमारी सभी गाड़ियां इलेक्ट्रिक होंगी। हम इलेक्ट्रिक फर्स्ट से इलेक्ट्रिक ऑनली की दिशा में बढ़ रहे हैं। मर्सिडीज बेंज ने पिछले साल भारत में रेकॉर्ड 15,822 गाड़ियां बेची थीं। यह 2021 के मुकाबले 41 फीसदी अधिक है। अभी देश के लग्जरी कार मार्केट में इस जर्मन कंपनी की 51 फीसदी हिस्सेदारी है। कैलेनियस ने दावा किया कि अगले कुछ साल में भारत में कंपनी की बिक्री दोगुनी हो जाएगी। उन्होंने कहा, 'इंडियन मार्केट हमारे लिए अहम है। यहां काफी संभावनाएं हैं। इतना ही नहीं, दुनियाभर में हमारी स्ट्रैटजी में भारत की अहम भूमिका है।'

बजट 2023-24 में जरुरतों और आर्थिक सीमाओं का संतुलन रखा गया, वित्त मंत्री ने बताया बजट का सार

एनटीवी न्यूज

नई दिल्ली। लोकसभा में आम बजट 2023-24 पर चर्चा के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। वित्त मंत्री ने बजट 2023-24 के सार के बारे में बोलते हुए कहा कि यह बजट राजकोषीय विवेक की सीमाओं के भीतर भारत के विकास अनिवार्यताओं की आवश्यकताओं को संतुलित करता है। वित्त मंत्री ने लोकसभा में कहा कि करप्शन पर बोलने का कांग्रेस को बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकारें बिना सोचे समझे कदम उठातीं हैं। उन्होंने हिमाचल प्रदेश की नवनिर्वाचित कांग्रेस सरकार को भी शपथ ग्रहण के बाद पेट्रोल-डीजल पर वैट लगाने के लिए निशाने पर लिया। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पिछले साल का बजट पढ़ने पर उन्होंने कहा कि ऐसा किसी के भी साथ हो सकता है। ऐसी गलती कोई भी कर सकता है पर ऐसा होना नहीं चाहिए। मनरेगा पर उन्होंने कहा कि 2019 के बजट में 60 हजार करोड़ था। उसके बाद के बजट में इसमें लगातार बढ़ोतरी की गई।

उन्होंने कहा कि गरीबी पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। कांग्रेस इस मामले में खुद शीशे के घर में हैं। जब कांग्रेस की सरकार थी उस समय मनरेगा के लिए जो राशि जारी की जाती थी वह भी खर्च नहीं हो पाती थी। विपक्ष के लोग आरोप लगाते हैं कि हम गरीबों की बात नहीं करते हैं। जब मैं आंकड़े देकर बात कर रही हूं तो वे हंस रहे हैं। क्या ये सही है?

वित्त मंत्री ने जीएसटी कंपेनसेशन बकाए पर कहा कि पश्चिम बंगाल को 823 करोड़ रुपये कंपेनसेशन नहीं जारी किए गए हैं क्योंकि राज्य की ओर से एजी की रिपोर्ट सबमिट नहीं की गई है। इस कारण ये राशि राज्य को जारी नहीं की जा सकती है। पिछले कई वर्षों से राज्य ने ये रिपोर्ट नहीं भेजी है। कंपेनसेशन की राशि इसलिए जारी नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि हम राशि जारी करने के लिए तैयार हैं पर जो प्रक्रिया है उसे राज्य सरकार को पूरा करना चाहिए।

अमेरिका H-1बी वीजा पर करेगा नई पहल, भारत समेत अन्य देशों के आईटी पेशेवरों को मिलेगी मदद

नईदिल्ली। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि इस साल के अंत में शुरू होने वाली पायलट परियोजना जब पूरी तरह से लागू हो जाएगी तो संयुक्त राज्य अमेरिका में हजारों भारतीय आईटी पेशेवरों के लिए यह एक बड़ी राहत होगी।

एच-1बी और एल1 वीजा धारक हजारों विदेशी तकनीकी कर्मचारियों को लाभ पहुंचाने के लिए अमेरिका पायलट आधार पर कुछ श्रेणियों में 'घरेलू वीजा पुनः सत्यापन' प्रक्रिया फिर से शुरू करने की योजना बना रहा है।

इस साल के अंत में शुरू होने वाली पायलट परियोजना जब पूरी तरह से लागू हो जाएगी तो संयुक्त राज्य अमेरिका में हजारों भारतीय आईटी पेशेवरों के लिए यह एक बड़ी राहत होगी। 2004 तक गैर-आप्रवासी वीजा की कुछ श्रेणियों विशेष रूप से एच 1 बी को अमेरिका के अंदर नवीनीकृत या मुद्रित किया जा सकता था। उसके बाद से यह सुविधा उपलब्ध नहीं थी।

2004 के बाद इस तरह वीजा के नवीनीकरण के लिए विशेष रूप से एच-1 बी पर रहने वाले विदेशी तकनीकी कर्मचारियों को देश से बाहर जाना पड़ता है। ज्यादातर लोगों को अपने पासपोर्ट पर एच-1 बी की अवधि विस्तार के लिए मुहर लगवाने अपने देश जाना पड़ता है।

सभी एच-1बी वीजा धारकों के लिए जब उनके वीजा का नवीनीकरण किया जाता है तो उन्हें अपने पासपोर्ट पर मुहर लगाने की आवश्यकता होती है। यह जरूरी है अगर वे अमेरिका के बाहर यात्रा करना चाहते हैं या अमेरिका में फिर से प्रवेश करना चाहते हैं। अभी तक अमेरिका में एच-1बी वीजा के नवीकरण की अनुमति नहीं है। रिस्टैम्पिंग केवल किसी भी अमेरिकी वाणिज्य दूतावास में ही की जा सकती है। यह विदेशी अतिथि श्रमिकों और उनके कर्मचारियों के लिए भी एक बड़ी असुविधा थी। खासकर ऐसे समय में जब वीजा प्रतीक्षा समय 800 दिनों या दो साल से अधिक है। एच-1बी वीजा एक बार में तीन साल के लिए जारी किए जाते हैं।

एच-1बी वीजा एक गैर-आव्रजक वीजा है जो अमेरिकी कंपनियों को सैद्धांतिक या तकनीकी विशेषज्ञता की आवश्यकता वाले विशेष व्यवसायों में विदेशी श्रमिकों को नियुक्त करने की अनुमति देता है। प्रौद्योगिकी कंपनियां भारत और चीन जैसे देशों से हर साल हजारों कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए इस पर निर्भर करती हैं।

अलीबाबा ने पेटीएम में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेची, 2.1 करोड़ शेयरों की बिकवाली के लिए हुई ब्लॉक डील

अली बाबा ने पेटीएम की मूल कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (ओसीएल) में 3.4 फीसदी इक्विटी (यानी लगभग 2.1 करोड़ शेयर) के लिए शुक्रवार को एक ब्लॉक डील की है। इस घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों का कहना है कि चीन की बहुराष्ट्रीय कंपनी अलीबाबा ने आज की ब्लॉक डील में पेटीएम में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेच दी है।

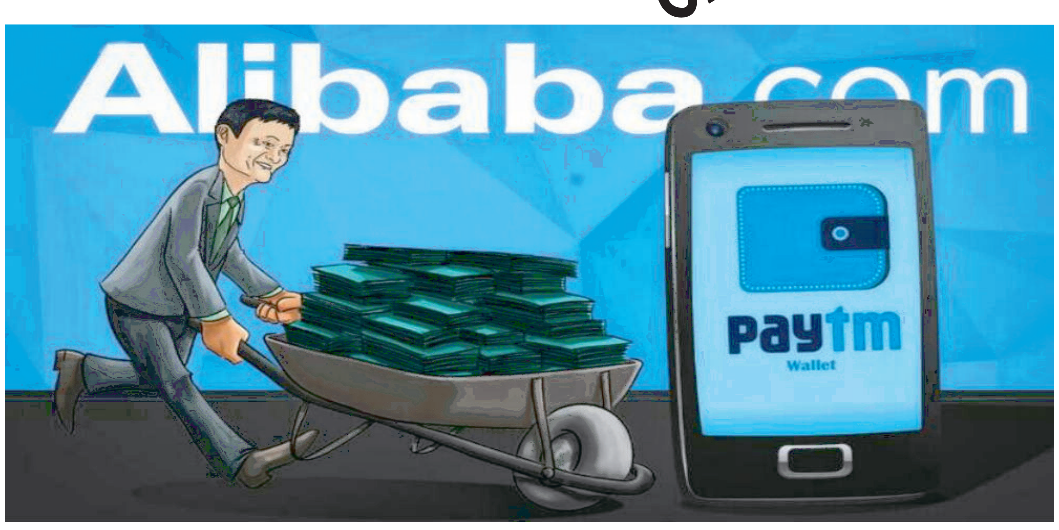

नई दिल्ली। चीन के उद्योगपति जैक मा की कंपनी अलीबाबा ने पेटीएम की मूल कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (ओसीएल) में 3.4 फीसदी इक्विटी (यानी लगभग 2.1 करोड़ शेयर) के लिए शुक्रवार को एक ब्लॉक डील की है। इस घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों का कहना है कि चीन की बहुराष्ट्रीय कंपनी अलीबाबा ने आज की ब्लॉक डील में पेटीएम में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेच दी है। इस बिक्री के साथ अलीबाबा अब पेटीएम में स्टेकहोल्डर नहीं रह गई है। कंपनी ने जनवरी में पेटीएम में अपनी 6.26 प्रतिशत हिस्सेदारी में से 3.1 प्रतिशत बेच दी है। इस ताजा सौदे से अलीबाबा का भारत से बाहर निकलने की प्रक्रिया लगभग पूरी हो गई है। अली बाबा ने इससे पहले जोमैटो और बिगबास्केट में अपनी हिस्सेदारी बेच दी थी। यह खबर बाजार के लिए अच्छी साबित हो सकती है कि क्योंकि इससे पेटीएम में चीनी हिस्सेदारी समाप्त हो जाएगी।

आसमान पर IndiGo का कब्जा, बना हवाई यात्रियों की पहली पसंद, जानिए एयर इंडिया किस नंबर पर

फ्लाइट से सफर करने वाले लोगों की संख्या में बड़ी बढ़ोतरी हुई है। दिसंबर में सफर करने वाले यात्रियों की संख्या में 14 फीसदी की तेजी आ गई। वहीं साल 2021 के मुकाबले इस साल यात्रियों की संख्या में 47 फीसदी की उछाल देखने को मिली है।

नई दिल्ली: नई दिल्ली: फ्लाइट से ससफर करने वाले यात्रियों की संख्या में जबरदस्त तेजी आई है। इस साल हवाई जहाज से सफर करने वालों की संख्या में 47 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। सिर्फ दिसंबर में इसमें 14 फीसदी का उछाल आया है। द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक जनवरी से दिसंबर 2022 में सभी एयरलाइंस के यात्रियों की संख्या नें बढ़ोतरी हुई है। ये संख्या 123 मिलियन तक पहुंच गई। पिछले साल ये आंकड़ा 83 मिलियन था।

नागर विमानन महानिदेशालय (DGCA) द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर में घरेलू विमान यात्रियों की संख्या सालाना आधार पर 13.69 फीसदी बढ़ी है। ये संख्या 127.35 लाख पर पहुंच गई है। इसका सबसे ज्यादा लाभ इंडिगो (IndiGo) को हुआ है। इंडिगो से 69.97 लाख यात्रियों के साथ उड़ान भरी है। इंडिगो ने घरेलू विमानन क्षेत्र में 54.9 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दिसंबर के दौरान अन्य एयरलाइनों से कहीं आगे उड़ान भरी, जबकि विस्तारा और एयर इंडिया ने 9.2 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। विमानन नियामक डीजीसीए के दिसंबर के ताजा आंकड़ों के अनुसार, इस महीने के दौरान इंडिगो में 69.97 लाख यात्रियों ने हवाई सफर किया जबकि विस्तारा में 11.70 लाख और एयर इंडिया में 11.71 लाख यात्रियों ने सफर किया। 9.51 लाख हवाई यात्रियों के साथ गो एयर की दिसंबर के दौरान बाजार हिस्सेदारी 7.5 प्रतिशत थी। वर्ष 2022 में इंडिगो ने 690.93 लाख यात्रियों को लेकर 56.1 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी हासिल की, जबकि विस्तारा की 113.59 लाख यात्रियों के साथ 9.2 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी थी, और एयर इंडिया की 107.74 लाख हवाई यात्रियों के साथ 8.7 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी थी। गुरुवार को जारी डीजीसीए के आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2022 महीने के लिए अनुसूचित घरेलू एयरलाइंस की कुल रद्दीकरण दर 0.79 प्रतिशत रही है। रद्दीकरण के मुख्य कारणों की पहचान मौसम, तकनीकी या परिचालन के रूप में की गई है। दिसंबर के दौरान सबसे अधिक 81.1 प्रतिशत उड़ानें मौसम संबंधी कारणों से और 7.8 प्रतिशत तकनीकी कारणों से रद्द की गईं। घरेलू हवाई यातायात में वृद्धि जारी है, जनवरी-दिसंबर 2022 के दौरान घरेलू एयरलाइनों द्वारा ले जाए गए यात्री पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 8.38 करोड़ की तुलना में 12.32 करोड़ थे, जिससे 47.05 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि और 13.69 प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर्ज की गई। डीजीसीए द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में दिसंबर के दौरान घरेलू एयरलाइंस द्वारा लगभग 1.27 करोड़ यात्रियों को ले जाया गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि के दौरान यह संख्या 1.12 करोड़ थी।

मझगांव डॉक, Paytm, SBI, IGL और Tata Motors के शेयर उछले, जानिए कहां पहुंच गया

मुंबई: निफ्टी 50 इंडेक्स (Nifty 50 Index) पिछले सत्र में 18,107.85 अंक पर बंद हुआ था और आज यह पॉजिटिव नोट के साथ 18,115.6 अंक पर खुला। कमजोर वैश्विक संकेतों के बावजूद ऐसा हुआ। गुरुवार को वॉल स्ट्रीट इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका और बेरोजगारी का साप्ताहिक आंकड़ा उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहने से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। इससे अमेरिकी शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली। नैसडैक कंपोजिट (Nasdaq Composite) में 0.96%, डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज (Dow Jones Industrial Average) और एसएंडपी 500 (S&P 500) में 0.76% गिरावट आई।

सुबह 10:40 बजे निफ्टी 50 इंडेक्स 16.75 अंक यानी 0.09 फीसदी की तेजी के साथ 18,124.6 अंक पर ट्रेड कर रहा था। दूसरी ओर ब्रॉडर मार्केट इंडेक्सेज का प्रदर्शन भी फ्रंटलाइन इंडेक्सेज के मुताबिक रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स (Nifty Mid-Cap 100 index) 0.03% फीसदी गिरावट आई है जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स (Nifty Small-Cap 100 index) 0.02% की तेजी के साथ ट्रेड कर रहा है। 19 जनवरी के आंकड़ों को मुताबिक एफआईआई नेट बायर्स रहे और डीआईआई नेट सेलर्स रहे। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 399.98 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 128.96 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। यह रही इन शेयरों की लिस्ट जो प्राइस वॉल्यूम ब्रेकआउट के दौर से गुजर रहे हैं...

बाजार में फिर बिकवाली हावी, सेंसेक्स 150 अंक लुढ़का, निफ्टी 17900 के नीचे

अमेरिकी बाजार में ब्याज दरों में बढ़ोतरी और महंगाई के बढ़ते आकड़ों के कारण निवेशक चिंता में दिखे। अदाणी इंटरप्राइजेज के शेयरों में एक बार फिर गिरावट दिख रही है। शुरुआती कारोबार में रुपया 12 पैसे की गिरावट के साथ 82.63 रुपये के लेवल पर कारोबार कर रहा है।

नईदिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में फिर बिकवाली हावी हो गई है। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन सेंसेक्स 150 अंक लुढ़का जबकि निफ्टी फिसलकर 17900 के नीचे पहुंच गया है। शुरूआती कारोबार में IT सेक्टर के शेयरों में कमजोरी दिख रही है। इससे पहले वैश्विक बाजार भी कमजोरी के साथ बंद हुए। अमेरिकी बाजार में ब्याज दरों में बढ़ोतरी और महंगाई के बढ़ते आकड़ों के कारण निवेशक चिंता में दिखे। अदाणी इंटरप्राइजेज के शेयरों में एक बार फिर गिरावट दिख रही है। शुरुआती कारोबार में रुपया 12 पैसे की गिरावट के साथ 82.63 रुपये के लेवल पर कारोबार कर रहा है।

शुक्रवार को शेयर बाजार में सेंसेक्स के 30 शेयरों का हाल

आईटी सेक्टर के शेयरों पर दिखा दबाव

शुक्रवार के कारोबारी सेशन के दौरान निफ्टी के टॉप गेनर्स और टॉप लूजर्स शेयर

अदाणी समूह के चार कंपनियों के भारांक में कटौती के बाद फिसले शेयर

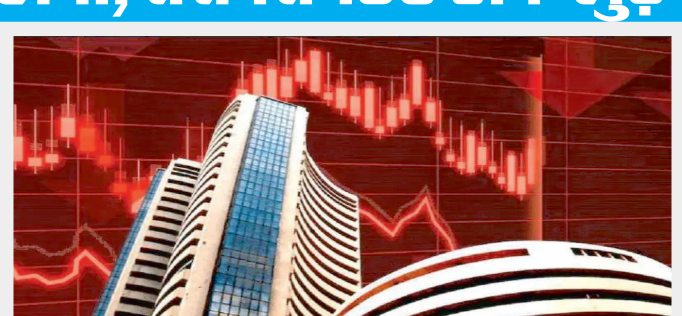

अमेरिकी मंदी की आशंका और सूचकांक प्रदाता एमएससीआई (MSCI) की ओर से अदाणी समूह की चार कंपनियों के भारांक में कटौती करने की घोषणा के बाद घरेलू शेयर बाजार में मंदी की धारणा दिखी। शुक्रवार को भारतीय बाजार में गिरावट का बड़ा कारण वैश्विक बाजार का कमजोर प्रदर्शन भी रहा।

अमेरिकी बाजार के 13 में से 11 सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। अमेरिका में वृद्धि दर की चिंताओं के बीच आईटी और मेटल सेक्टर के शेयरों में 0.8% प्रतिशत तक की गिरावट दिखी।

फेडरल रिजर्व के अधिकारियों की की ओर से महंगाई पर टिप्पणी के बाद वॉल स्ट्रीट इक्विटीज कमजोरी के साथ बंद हुए। फेड के अधिकारियों ने कहा है कि महंगाई दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को अपनी चपेट में लिए हुए है।

अमेरिका को सता रही महंगाई की चिंता, जारी रह सकती है ब्याज दरों में वृद्धि

रिचमंड फेड के अध्यक्ष थॉमस बार्किन ने कहा कि मुद्रास्फीति वास्तव में कम नहीं हो रही थी और अब तक देखी गई गिरावट को कुछ गिरती वस्तुओं की कीमतों के कारण है, जिसका अर्थ है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक लंबे समय तक उच्च ब्याज दरों को बनाए रख सकता है।

एशियाई बाजारों में भी मंदी के संकेत हैं, जिसमें जापान के बाहर एशिया-प्रशांत शेयरों का एमएससीआई का व्यापक सूचकांक 19.1% फिसल गया है। वित्तीय सूचकांक प्रदाता एमएससीआई की ओर से अदाणी समूह की चार कंपनियों के भारांक में कटौती करने की घोषणा के बाद घरेलू शेयर बाजारों में चिंता बढ़ गई है। विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि इस कदम से और बिकवाली हो सकती है और शेयरों के भाव और फिसल सकते हैं।

अदाणी समूह के अधिकांश शेयरों में शुक्रवार के सत्र में गिरावट जारी रही। दूसरी ओर जेफरीज की ओर से अपने प्रमुख पोर्टफोलियो में कंपनी पर निवेश बढ़ाने के बाद बजाज फाइनेंस के शेयरों में 12% की तेजी आई।

निवेशकों को सोमवार को आने वाले जनवरी के खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़ों का भी इंतजार रहेगा। अर्थशास्त्रियों के एक पोल से पता चला है कि भारत की वार्षिक खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर में 6 महीने में सबसे कम बढ़ी। जनवरी में यह आरबीआई के सहिष्णुता बैंड की ऊपरी सीमा छह प्रतिशत के भीतर रही।

दोबारा चुनाव लड़ रहे 43 में से 41 विधायकों की संपत्ति बढ़ी, 'गरीब' हुए दो MLA में एक CM भी

एनटीवी न्यूज

इस बार 43 मौजूदा विधायक फिर से चुनाव मैदान में हैं। इन 43 विधायकों में से 95 फीसदी यानी 41 विधायकों की संपत्ति में चार फीसदी से लेकर 4,890 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है।

त्रिपुरा विधानसभा चुनाव

43 विधायक फिर चुनाव मैदान में

- चुनाव लड़ रहे 43 विधायकों की औसत संपत्ति 1.48 करोड़ से बढ़कर 2.42 करोड़ हुई
- जिन विधायकों की संपत्ति में सबसे ज्यादा इजाफा हुआ उनमें टॉप पांच में सभी भाजपा के
- CM माणिक साहा समेत सिर्फ दो विधायकों की संपत्ति घटी, दोनों भाजपा से जीते थे

पांच साल में सबसे ज्यादा अमीर हुए ये विधायक

विधायक	2023 में औसत संपत्ति	2018 में औसत संपत्ति
डॉ. दिलीप कुमार दा	8.35 करोड़	1.87 करोड़
बिस्वा बंधु सेन	9.73 करोड़	4 करोड़
जिष्णु देव वर्मा	15.58 करोड़	11.07 करोड़
रतन चक्रबर्ती	3.84 करोड़	93 लाख
बिनय भूषण दास	2.7 करोड़	60 लाख

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा में विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीति दल प्रचार में जुटे हुए हैं। 60 विधानसभा सीटों वाली त्रिपुरा विधानसभा के लिए इस बार कुल 259 प्रत्याशी मैदान में हैं। राज्य में 16 फरवरी को वोट डाले जाएंगे। इस बार मुख्य मुकाबला सत्ताधारी भाजपा गठबंधन और कांग्रेस-सीपीएम गठबंधन के बीच है। इस बीच, एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक्स रिफॉर्म्स (ADR) ने दोबारा चुनाव लड़ रहे विधायकों की संपत्ति पर एक रिपोर्ट जारी की है।

एडीआर के मुताबिक इस बार 43 मौजूदा विधायक फिर से चुनाव मैदान में हैं। इन 43 विधायकों में से 95 फीसदी यानी 41 विधायकों की संपत्ति में चार फीसदी से लेकर 4,890 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। मुख्यमंत्री माणिक साहा समेत दो विधायक ऐसे भी हैं जिनकी संपत्ति घट गई है।

पांच साल में बढ़ी औसत संपत्ति

बीते पांच साल में इन 43 दोबारा चुनाव लड़ने वाले विधायकों की औसत संपत्ति में 64 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। 2018 से 2023 के बीच यह बढ़ोतरी 94.58 लाख रुपये रही। 2018 में निर्दलीय सहित विभिन्न दलों द्वारा मैदान में उतारे गए इन विधायकों की औसत संपत्ति 1.48 करोड़ रुपये थी। वहीं, 2023 के चुनावों में औसत संपत्ति बढ़कर 2.42 करोड़ रुपये हो गई।

टॉप 5 में पांचों विधायकों भाजपा के

दोबारा चुनाव लड़ रहे इन 43 विधायकों में टॉप 5 बढ़ोतरी वाले विधायक सत्ताधरी भाजपा के हैं। बरजाला सीट से BJP के डॉ. दिलीप कुमार दास ने अपनी संपत्ति में सबसे ज्यादा 6.47 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी बताई है। 2018 में दास की संपत्ति ₹1.87 करोड़ थी जो 2023 में बढ़कर 8.35 करोड़ हो गई।

इस सूची में दूसरा नाम धर्मनगर से भाजपा विधायक बिस्वा बंधु सेन का है। उनकी संपत्ति 2018 में 4 करोड़ रुपए थी जो 2023 में बढ़कर 9.73 करोड़ हो गई। तीसरे नंबर पर चारिलाम से भाजपा के जिष्णु देव वर्मा हैं। उनकी संपत्ति 2018 में 11.07 करोड़ थी जो 2023 में बढ़कर 15.58 करोड़ हो गई।

खयेरपुर से भाजपा विधायक रतन चक्रबर्ती की संपत्ति में पिछले पांच साल में करीब तीन करोड़ का इजाफा हुआ है। 2018 में उन्होंने अपनी संपत्ति 93 लाख बताई थी जो 2023 में बढ़कर 3.84 करोड़ हो गई। इस लिस्ट में पांचवां नाम पानीसागर से भाजपा के बिनय भूषण दास का है। पिछले चुनाव में बिनय की संपत्ति 60 लाख थी जबकि इस चुनाव में संपत्ति 2.7 करोड़ हो गई।

27 भाजपा विधायकों की संपत्ति बढ़ी

दोबारा चुनाव लड़ने वाले विधायकों की औसत संपत्ति में बढ़ोतरी का पार्टी-वार आंकड़ा देखें तो 27 विधायकों के साथ यहां भी भाजपा आगे है। पिछले चुनाव में इनकी औसत संपत्ति 1.78 करोड़ थी जो इस चुनाव में 3 करोड़ हो चुकी है। इस सूची में राज्य की मुख्य विपक्षी CPI(M) के 7 विधायक हैं। 2018 में इनकी औसत संपत्ति 52 लाख थी जो 2023 में 97 लाख हो गई है। इस मामले में 3 विधायकों के साथ कांग्रेस तीसरे स्थान पर है। पिछले पांच साल में पार्टी के विधायकों की औसत संपत्ति 2.98 करोड़ से बढ़कर 3.12 करोड़ हो गई। 3 विधायकों के साथ भाजपा की सहयोगी इंडिजेनस पीपल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा चौथे स्थान पर है। टिपरा मोथा पार्टी (2 विधायक) पांचवें पर है। इस सूची में एक निर्दलीय उमीदवार भी हैं।

मुख्यमंत्री साहा की संपत्ति घटी

कुल 43 दोबारा चुनाव लड़ रहे विधायकों में केवल दो विधायक ऐसे हैं जिनकी संपत्ति घटी है। दिलचस्प है कि राज्य के मुख्यमंत्री माणिक साहा भी इस सूची में हैं। 2018 चुनाव में साहा की संपत्ति 13.97 करोड़ थी जो अब 2023 चुनाव में घटकर 13.90 करोड़ हो गई। इस अवधि में मुख्यमंत्री के संपत्ति में 7.23 लाख की कमी आई है। जिन विधायकों की संपत्ति घटी है उसमें दूसरा नाम है दिबाचंद्र हरंगखाल। कर्मचारा सीट से पिछली बार भाजपा के टिकट पर चुनाव जीतने वाले दिबाचंद्र अबकी बार कांग्रेस की टिकट पर मैदान में हैं। 2018 में उनकी संपत्ति 41.02 लाख थी जो अब 2023 में घटकर मात्र 45,661 रुपए रह गई है। पिछले पांच साल में उनकी संपत्ति करीब 99 फीसदी कम हुई।

ब्रीफ न्यूज

फिल्मों और वेब सीरीज में देवी-देवताओं का उड़ाया मजाक तो खैर नहीं! UP में संतों ने बनाया धर्म सेंसर बोर्ड

फिल्मों और वेब सीरीज में हिंदू देवी देवताओं और संस्कृति के अपमान पर नजर रखने के लिए उत्तर प्रदेश के संतों ने धर्म सेंसर बोर्ड का गठन किया है। प्रयागराज के माघ मेले में संतों ने इस सेंसर बोर्ड का गठन किया है। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए देवी देवताओं का अपमान नहीं बर्दाश्त किया जाएगा।

प्रयागराज: यूपी के प्रयागराज में माघ मेले में संतों ने एक 'धर्म सेंसर बोर्ड' का गठन किया, जो अब फिल्मों, वृत्तचित्रों, वेब श्रृंखला और मनोरंजन के अन्य माध्यमों में हिंदू देवी-देवताओं और संस्कृति के अपमान की जांच करेगा। हिंदू परंपराओं की मानहानि को रोकने के लिए शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की अध्यक्षता में 10 सदस्यीय सेंसर बोर्ड का गठन किया गया है। गुरुवार को जारी बोर्ड की गाइडलाइंस में सेंसर बोर्ड की तर्ज पर मनोरंजन सामग्री दिखाई जाएगी।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा, 'इस बोर्ड में धर्म और संस्कृति से जुड़े कई दिग्गजों को शामिल किया गया है। फिलहाल वे खुद इस बोर्ड के अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।' उन्होंने कहा कि यह बोर्ड हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करने वाले या संस्कृति को कोसने वाले वीडियो या ऑडियो के किसी भी फिल्मांकन या प्रसारण को रोकने के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करेगा। हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करने वाली फिल्मों के निर्माण को रोकने के लिए बोर्ड के माध्यम से कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सस्ती लोकप्रियता के लिए सनातन संस्कृति को विकृत करने वाली फिल्मों, धारावाहिकों और धारावाहिकों का निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

शंकराचार्य ने कहा कि इसे सेंसर बोर्ड और सरकार की मदद के लिए बनाया गया है। बोर्ड सीरियल और वेब सीरीज बनाने वाले सभी फिल्म निर्माताओं और निर्देशकों से संपर्क कर उन्हें इस संबंध में सूचित करेगा। इसके बावजूद अगर ऐसी फिल्में और धारावाहिक बनाए गए, जो हिंदू विरोधी और आस्था को ठेस पहुंचाने वाली हैं, तो हिंदू समाज से उन्हें न देखने की अपील की जाएगी। साथ ही जरूरत पड़ने पर विभिन्न माध्यमों से विरोध भी दर्ज कराया जाएगा।

BJP का यह वादा पूर्वोत्तर में लगा सकता है आग, नागालैंड-मिजोरम भी आएंगे चपेट में

एनटीवी संवाददाता

अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए भाजपा ने आदिवासियों के कोर एजेंडे को हवा दे दी है। उसने उन सभी क्षेत्रों में जनजातीय क्षेत्रों को स्वायत्तता देने की घोषणा कर दी है, जिनकी मांग वे लंबे समय से करते रहे हैं...

नई दिल्ली। भाजपा ने त्रिपुरा विधानसभा चुनाव के लिए अपना संकल्प पत्र जारी करते हुए राज्य के कई आदिवासी क्षेत्रों को 'स्वायत्तता' देने का वादा किया है। इससे इन क्षेत्रों को अपना प्रशासन पूरी तरह अपने हाथ में मिल जाएगा और उसमें किसी बाहरी हस्तक्षेप की संभावना नहीं रहेगी। पहली नजर में स्थानीय संस्कृति और जैव विविधता को बचाने के लिए किया गया यह वादा पूरे पूर्वोत्तर में अलगाववाद को बढ़ावा दे सकता है। नागालैंड और मिजोरम के कई विद्रोही गुट पहले ही अपने क्षेत्रों के लिए पूर्ण राज्य की मांग छोड़ते हुए स्वायत्तता की मांग पर आकर टिक गए थे। अब तक सरकार उन्हें इस तरह की अलग पहचान देने से बच रही थी, लेकिन भाजपा के इस वादे से इस पूरे क्षेत्र में इस तरह के स्वायत्त क्षेत्रों की मांग बढ़ सकती है।

भाजपा ने क्यों किया ये वादा

दरअसल, वर्ष 2018 के त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में भाजपा ने वामदलों के इस मजबूत गढ़ को अकेले दम पर ढहा दिया था। उसकी इस बड़ी सफलता में सबसे बड़ी भूमिका उन आदिवासी मतदाताओं की थी, जिन्होंने दिल खोलकर पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा को समर्थन दिया था। राज्य की 60 विधानसभाओं में से आदिवासियों के लिए आरक्षित 20 सीटों में से 10 पर भाजपा को और आठ सीटों पर उसके सहयोगी दल आईपीएफटी को सफलता मिली थी।

लेकिन विधानसभा चुनाव में भाजपा का जबरदस्त समर्थन (54%) करने वाले आदिवासी मतदाताओं ने लोकसभा चुनाव में भाजपा को अपेक्षाकृत कम वोट (37%) किया था। त्रिपुरा के नए राजनीतिक समीकरणों में आदिवासी मतदाताओं में और ज्यादा बिखराव हो सकता है। चूंकि इस बार त्रिपुरा के चुनावी मैदान में स्थानीय राजवंश अपने दम पर अपने भाग्य की आजमाइश कर रहा है, इन मतदाताओं में ज्यादा बिखराव होना तय माना जा रहा है। इसका सीधा नुकसान भाजपा को हो सकता है और पूर्वोत्तर पर अपनी पकड़ बनाए रखने का उसका सपना अधूरा रह सकता है।

चूंकि आदिवासी बहुल राज्य में उनके बड़ी संख्या में समर्थन के बिना सरकार बनाना संभव नहीं है, उन्हें साधने के लिए कई स्तर पर कोशिशें की जा रही हैं। आदिवासी मतदाताओं को 'द्रौपदी मुर्मू फैक्टर' से साधने की कोशिश भी की जा रही है और उन्हें बताया जा रहा है कि भाजपा ने मुर्मू को राष्ट्रपति पद पर बैठाकर आदिवासी संस्कृति-सभ्यता का सम्मान करने का काम किया है। लेकिन अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए भाजपा ने आदिवासियों के कोर एजेंडे को हवा दे दी है। उसने उन सभी क्षेत्रों में जनजातीय क्षेत्रों को स्वायत्तता देने की घोषणा कर दी है, जिनकी मांग वे लंबे समय से करते रहे हैं।

बढ़ सकता है संकट

लेकिन राजनीतिक विशेषज्ञ मानते हैं कि भाजपा का यह दांव दूसरे क्षेत्रों में राजनीतिक आग लगा सकता है। नागालैंड-मिजोरम के कई अलगाववादी गुट पहले अपने लिए अलग राज्य की मांग करते रहे थे। इस समय भी पूर्वोत्तर के कई अलगाववादी गुट केंद्र सरकार के साथ वार्ता कर अपने क्षेत्रों के लिए अलग राज्य या पूर्ण स्वायत्त क्षेत्र बनाने की मांग कर रहे हैं। भाजपा के त्रिपुरा में किए गए वादे से इस पूरे क्षेत्र में नया राजनीतिक तूफान खड़ा हो सकता है।

संवैधानिक मांग के अनुरूप

भाजपा के एक नेता ने कहा कि त्रिपुरा के लोगों को किया गया यह वादा पूरी तरह संवैधानिक और कानून के अनुरूप है। इस समय भी त्रिपुरा सहित पूर्वोत्तर के लगभग सभी राज्यों में इस तरह के स्वायत्त क्षेत्र काम कर रहे हैं। कुछ गुट अपने लिए अलग स्वायत्त क्षेत्र की मांग करते रहे हैं, जिनके विषय में तत्कालीन सरकारों ने अपने-अपने स्तर पर विचार किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा देश के जनजातीय समूहों को उनकी मूल पहचान को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और उनको किया गया यह वादा पूरी तरह से उसके अनुरूप है।

कितने आदिवासी

त्रिपुरा में लगभग 19 जनजातीय समुदाय रहते हैं। इनमें भील, भूटिया, चायल, चकमा, गारो, मुंडा, ओरंग और रींग प्रमुख हैं। त्रिपुरी जनजाति अकेले पूरे त्रिपुरा की लगभग आधी आबादी का हिस्सा रखती है। राज्य की 60 सीटों में से 20 सीटें आदिवासी समुदाय के लिए आरक्षित हैं, जिन पर भारी आबादी के कारण केवल आदिवासी मतदाता ही हार-जीत का निर्णय करते हैं। इन सीटों पर भाजपा मुर्मू फैक्टर को जमकर उछाल रही है, जो इनमें उनकी जीत की राह खोल सकते हैं। स्वायत्तता का मुद्दा इस वोट बैंक को ज्यादा मजबूती देने के लिए किया गया है।

'योग ने मुझे मानसिक और शारीरिक पीड़ा से बाहर निकाला', ओडिशा में बोलीं राष्ट्रपति मुर्मू

एनटीवी संवाददाता

राष्ट्रपति मुर्मू ने 2015 में झारखंड की राज्यपाल बनने से पहले बहुत कम समय में अपने दो बेटों, पति और भाई को खो दिया। मुर्मू ने सभी से अपने शरीर और मन को ठीक रखते हुए बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने की अपील करते हुए कहा कि योग आत्मा और देवत्व के बीच एक संबंध के रूप में कार्य करता है।

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने दो दिवसीय ओडिशा दौरे पर शुक्रवार को भुवनेश्वर पहुंचीं, इस दौरान वह लिंगराज मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद राम देवी महिला विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं। इसके बाद वह धर्मार्थ संगठन, ज्ञानप्रभा मिशन के स्थापना दिवस समारोह में भी शामिल हुईं जहां उन्होंने अपना संबोधन दिया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने योग को महत्व को बताया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने संबोधन में कहा कि जब वह मानसिक और शारीरिक पीड़ा में थीं तब योग ने उनकी मदद की थी, जबकि इसके नियमित अभ्यास से लोगों को जीवन के सभी क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करने में मदद मिल सकती है। मैं आज यहां आपके सामने खड़ी हूं और आपसे सिर्फ योग के कारण बात कर रहा हूं। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण भारत को विश्व गुरु के रूप में स्थापित करने का मंत्र है। राष्ट्रपति मुर्मू ने योग के अभ्यास की आवश्यकता पर जोर दिया, जो नागरिकों को आध्यात्मिक रूप से विकसित करने में मदद कर सकता है, जिससे व्यक्तियों और पूरे देश का समग्र विकास हो सके।

योग आत्मा और देवत्व के बीच एक संबंध के रूप में कार्य करता है: राष्ट्रपति

बता दें राष्ट्रपति मुर्मू ने 2015 में झारखंड की राज्यपाल बनने से पहले बहुत कम समय में अपने दो बेटों, पति और भाई को खो दिया। मुर्मू ने सभी से अपने शरीर और मन को ठीक रखते हुए बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने की अपील करते हुए कहा कि योग आत्मा और देवत्व के बीच एक संबंध के रूप में कार्य करता है। उन्होंने कहा कि शरीर, मन और आत्मा की शुद्धि और आध्यात्मिक जागृति के लिए प्रयास करने की जरूरत है।

यद्यपि मनुष्य के जीवित रहने के लिए धन और अन्य सामान की आवश्यकता होती है, राष्ट्रपति ने कहा कि व्यक्ति को भौतिकवादी चीजों के पीछे नहीं भागना चाहिए, बल्कि ज्ञान प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए और आध्यात्मिक जागृति पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जो उसे एक नई ऊंचाई तक ले जाने में मदद करेगा।